श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 139 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, रविवार 6 मार्च 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

1 अप्रैल से सस्ती होगी शराबः 50 से 500 रुपए तक सस्ती मिलेगी विदेशी दारू, रख सकेंगे ज्यादा स्टॉक

भोपाल। मध्यप्रदेश में 1 अप्रैल से शराब सस्ती हो जाएगी। देसी शराब का 110 रुपए में मिलने वाला 180 का पौवा 85 रुपए का हो जाएगा। विदेशी शराब से 10 प्रतिशत एक्साइज ड्यूटी कम की जा रही है, जिससे यह शराब 50 रुपए से 500 रुपए तक सस्ती होगी। प्रदेश में देसी शराब सस्ती करने के लिए शराब बनने से लेकर ग्राहक तक पहुंचने की कमाई का मार्जिन घटा दिया गया है। शुक्रवार को मंत्रिमंडल समूह की हुई बैठक में हेरिटेज लिकर का पेटेंट कराने पर सहमति बनी है। इससे जनजातियों का आर्थिक सशक्तिकरण हो सकेगा। मध्यप्रदेश हेरिटेज (पारंपरिक) शराब नीति 2022 में आदिवासियों को महुए की शराब बनाए जाने को अनुमति दी गई है। फ्लिहाल, महुआ से शराब बनाया जाना पायलट प्रोजेक्ट के रूप में डिंडोरी और आलीराजपुर में लागू होगा।

प्रदेश में राज्य सरकार द्वारा घोषित नई शराब नीति 1 अप्रैल से लागू होने जा रही है। इसमें खास यह भी होगा कि आम नागरिक, जिनकी सालाना आय 1 करोड़ या अधिक है, वह 50 हजार फीस जमा कर बार का लाइसेंस ले सकेंगे। अभी व्यक्ति को तीन बोतल सील पैक और एक खुली बोतल या एक पेटी बीयर रखने की अनुमति थी। नई व्यवस्था के तहत वह इस क्षमता का चार गुना स्टॉक रख सकेगा।

ड्यूटी से नाराज बीएसएफ जवान ने अंधाधुंध फायरिंग कर साथियों को मार डाला, फिर खुद को मार ली गोली

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अमृतसर में बार्डर सिक्योरिटी फोर्स के खासा हेडक्वार्टर में रविवार सुबह ड्यूटी से नाराज एक जवान ने अपने ही साथियों पर फायरिंग कर दी। अपने साथियों पर फायरिंग करने के बाद जवान ने खुद को भी गोली मार ली। गोलीबारी में आरोपी समेत चार जवानों की मौत हो गई है। हालांकि इस संबंध में बल के अधिकारी किसी भी तरह की जानकारी नहीं दे रहे हैं। सीमा सुरक्षा बल ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक अमृतसर से करीब 13 किलोमीटर दूर स्थित बीएसएफ खासा हेडक्वार्टर में बीएसएफकी 144 बटालियन तैनात है। सीमा पर ड्यूटी को लेकर कांस्टेबल सत्तेप्पा अपने अधिकारियों के साथ नाराज चल रहा था।

पीएम मोदी ने पुणे मेट्रो रेल परियोजना का किया उद्घाटन छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति का भी किया अनावरण

पुणे (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी रविवार को महाराष्ट्र के पुणे पहुंचे जहां उन्होंने मेट्रो रेल परियोजना का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कुल 32.2 किमी पुणे मेट्रो रेल परियोजना के 12 किमी खंड का उद्घाटन किया। इसके बाद वे मेट्रो रेल में सवार हुए। इस दौरान उन्होंने मेट्रो में बैठे बच्चों से बातचीत की। बता दें कि मेट्रो की सवारी के लिए पीएम मोदी ने टिकट भी खरीदी। वहीं इससे पहले उन्होंने पुणे नगर निगम परिसर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और पुणे के मेयर मुरलीधर मोहोल भी मौजूद थे।

मुला-मुथा नदी परियोजनाओं की आधारशिला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोपहर करीब 12 बजे कई विकास परियोजनाओं की आधारशीला रखी और उद्घाटन किया। उन्होंने मुला-मुथा नदी परियोजनाओं के कायाकल्प और प्रदूषण उपशमन की आधारशिला भी रखी। नदी के नौ किलोमीटर खंड में 1080 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजना लागत से कायाकल्प किया जाएगा। इसके तहत नदी किनारे संरक्षण, इंटरसेप्टर, सीवेज नेटवर्क, सार्वजनिक सुविधाएं, नौका विहार गतिविधि आदि जैसे कार्य शामिल होंगे. मुला-मुथा नदी प्रदूषण उपशमन परियोजना को 1470 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से वन सिटी वन ऑपरेटर की अवधारणा पर लागू किया जाएगा।

पीएम मोदी ने 24 दिसंबर 2016 को मेट्रो परियोजना की आधारशिला रखी थी

पीएम मोदी ने 24 दिसंबर 2016 को मेट्रो परियोजना की आधारशिला रखी थी, जो 11,400 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बन रही है। यह परियोजना पुणे में शहरी आवाजाही के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी सुविधा प्रदान करने का एक प्रयास है।

अमेरिका का प्लानः पुतिन से सीधी टक्कर नहीं लेंगे बाइडन

यूक्रेन को फाइटर जेट दिला रूस को देंगे जवाब

वाशिंगटन (एजेंसी)। रूस ने यूक्रेन में तबाही मचा रखी है। अपनी आधुनिक मिसाइलों, तोपों और हथियारों से उसने यूक्रेन को बहुत नुकसान पहुंचाया है। हालांकि, यूक्रेन भी पश्चिमी हथियारों के दम पर रूस से टक्कर ले रहा है। अमेरिका और ब्रिटेन लगातार यूक्रेन को हथियार मुहैया करा रहे हैं, लेकिन इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का प्लान बी सामने आया है। वे रूस से सीधी लड़ाई लड़ने के बजाए, यूक्रेन की दूसरी तरह से मदद करने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस से भिड़ने के लिए वह पोलैंड को तैयार कर रहे हैं। हालांकि, पोलैंड ने भी अमेरिका के सामने एक शर्त रख दी है। इसमें यूक्रेन की मदद के बदले अमेरिका से आधुनिक फाइटर जेट की मांग की गई है। हालांकि, यह समझौता अभी प्राथमिक स्तर पर है।

क्या है पोलैंड-अमेरिका की डील?

चार अमेरिकी अधिकारियों ने अमेरिकी मीडिया को बताया कि, अगर पोलैंड अपने इस्तेमाल किए हुए मिग-29 और सुखोई-25 जैसे फाइटर प्लेन को यूक्रेन को मुहैया कराता है तो अमेरिका इसके बदले उसे एफ-16 लड़ाकू विमान दे सकता है। यह डील तब सामने आई है, जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका से मदद की गुहार लगाई है।

नाटो-पुतिन के बीच बढ़ सकता है तनाव

बाइडन प्रशासन और पोलैंड के बीच हो रही इस डील के सामने आने के बाद नाटो और पुतिन के बीच तनाव बढ़ने की संभावना है। दरअसल, पोलैंड ने पिछले सप्ताह कहा था कि, अगर वह अपने विमान यूक्रेन में भेजता है तो उसकी कमी को पूरा करने के लिए अमेरिका अपने विमान मुहैया कराएगा। पोलैंड के इस फैसले का विरोध न करते हुए व्हाइट हाउस का कहना है कि व नाटो सहयोगी देशों से बातचीत में है कि, वे पोलैंड की क्षमता को किस तरह बढ़ा सकते हैं। ऐसे में नाटो और पुतिन के बीच सीधा टकराव हो सकता है।

अब जंगलों के सहारे 'आत्मनिर्भर महिलाएं' बनीं दंतेवाड़ा की पहचान

दंतेवाड़ा। नक्सल प्रभावित क्षेत्र दंतेवाड़ा में महिलाओं की मेहनत रंग ला रही है। इलाके में वनोपज से बनाए जाने वाले खाद्य उत्पादों को लेकर नीति आयोग ने स्थानीय महिलाओं के प्रयासों की तारीफ की है। बता दें कि जिले में महिलाएं 'बस्तर फूड फर्म' के बैनर तले महुआ से लड्डू, चाय, जैम, जैली और कुकीज बना रही हैं।

नीति आयोग ने महिलाओं की सराहना करते हुए दो अलग-अलग ट्वीट किए। नीति आयोग ने अपने ऑफिशाल ट्विटर हैंडल से लिखा, 'क्या आप जानते है, आंकाक्षी जिले दंतेवाड़ा में, महुआ जनजातीय अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग है? महुआ पोषण और औषधीय गुणों से भरपूर एक मीठा फूल है।'

एक अन्य ट्वीट में नीति आयोग ने लिखा, 'दंतेवाड़ा जिले की महिलाओं जंगलों में पाए जाने वाले खाद्य उत्पादों के स्वास्थ्य लाभों के बारे में लोगों को जागरूक कर रही हैं। जंगल के उत्पादों ने आदिवासी समुदायों के लिए आजीविका के अवसर पैदा करने में मदद की है और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए सशक्त बनाया है।'

छत्तीसगढ़ में मिले कोरोना के 82 मामले, दो की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

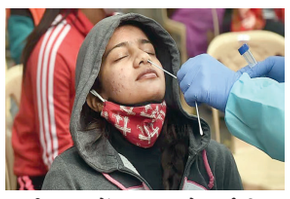

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शनिवार को कोरोना के 82 मामले सामने आए। इसके बाद राज्य में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 11,51,425 हो गई, जबकि मरने वालों की संख्या एक बढ़कर 14,032 हो गई । राज्य की कोरोना वायरस संक्रमण की दर दर 0.44 फीसदी है।

एक अधिकारी ने यह जानकारी दी कि आठ लोगों को अस्पतालों से छुट्टी मिलने के बाद कोरोना से ठीक होने वालों की संख्या 11,36,562 पहुंच गई है और इन चौबीस घंटों में दौरान 129 ने घर पर आइसोलेशन पूरा कर लिया, जिससे राज्य में 831 सक्रिय मामले सामने हैं।

अधिकारी ने कहा कि कबीरधाम में 15 मामले दर्ज किए गए, इसके बाद रायपुर में 13, धमतरी में आठ, दुर्ग में सात, कोरबा में छह, बिलासपुर में पांच, कोरिया में चार, बस्तर में तीन, मुंगेली में दो और राजनांदगांव में एक, अन्य जिलों में मामले दर्ज किए गए। 10 जिलों में कोई कोरोनोवायरस मामला दर्ज नहीं किया गया है। वहीं 18,470 के साथ 24 घंटे के दौरान नमूनों की जांच की गई, अब तक किए गए परीक्षणों की संख्या 1,71,99,176 हो गई है।

प्रदेश में 1174 आयुष संस्थाओं के माध्यम से निःशुल्क इलाज, अब तक 22.48 लाख मरीजों का उपचार

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में कारगर है गिलोय, तुलसी, आंवला, हल्दी और काली मिर्च

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में लोगों को सेहतमंद बनाए रखने और उन्हें उपचार उपलब्ध कराने में आयुष संस्थाएं भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। राज्य में 1174 आयुष संस्थाओं के माध्यम से लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल और इलाज किया जा रहा है। इन संस्थाओं में चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 में अब तक 22 लाख 48 हजार मरीजों को उपचार उपलब्ध कराया गया है।

आयुर्वेद पांच हजार साल पुरानी चिकित्सा पद्धति है। यह हमारी आधुनिक जीवन शैली को सही दिशा देने और स्वास्थ्य के लिए लाभकारी आदतें विकसित करने में मदद करती है। इसमें जड़ी-बूटी और वनस्पतियों से स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद, दवा और रोजमर्रा के जीवन में इस्तेमाल होने वाले पदार्थ तैयार किए जाते हैं। इनके इस्तेमाल से जीवन सुखी, तनाव मुक्त और रोग मुक्त बनता है।

राज्य शासन के आयुष संचालनालय के सहायक संचालक डॉ. विजय साहू ने बताया कि प्रदेश में 1174 आयुष संस्थाएं लोगों को निःशुल्क सेवाएं प्रदान कर रहीं हैं। इनमें रायपुर और बिलासपुर स्थित दो आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय, पांच जिला आयुष चिकित्सालय, 12 आयुष पॉलीक्लिनिक, 637 आयुर्वेदिक औषधालय, 52 होम्योपैथी औषधालय, छह यूनानी औषधालय तथा एलोपैथिक केंद्रों में संचालित 460 आयुष संस्थाएं शामिल हैं। इन सभी संस्थाओं में आयुष पद्धति के माध्यम से मरीज़ों की निःशुल्क जाँच और उपचार किया जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 में 22 लाख 48 हज़ार मरीजों ने यहां इलाज कराया है।

- **गिलोय-** गिलोय आजकल दवा और जूस के रूप में उपलब्ध है। इसे पानी में उबालकर भी पिया जा सकता है। इसे दैनिक आहार में शामिल कर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाई जा सकती है।
- **आंवला-** आंवला की चटनी या रस का भी सेवन किया जा सकता है। यह च्यवनप्राश का प्रमुख घटक है। इसमें बड़ी मात्रा में विटामिन 'सी' मिलता है।
- **तुलसी-** इसके सेवन से ऊपरी और निचले श्वसन तंत्र की बीमारियां जैसे खांसी, सर्दी या श्वास संबंधित कष्ट को दूर कर सकते हैं। तुलसी के पत्तों का भी सेवन किया जा सकता है या इसे हर्बल टी के तौर पर पिया जा सकता है।
- **हल्दी-** आयुर्वेद में हल्दी को काफी गुणकारी माना गया है। यह हमारी रसोई में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होती है। इससे सूजन, श्वास, सर्दी-खांसी आदि रोग में मदद मिलती है। रोज खाने में डालने के अलावा हल्दी का पाउडर दूध में डालकर उसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।
- **काली मिर्च-** इसे भी आयुर्वेद में अहम स्थान दिया गया है। काली मिर्च को हल्दी में मिलाकर खा सकते हैं। यह सर्दी को जड़ से खत्म करने में काफी गुणकारी है। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है और आजकल गोलियों के रूप में भी उपलब्ध है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में आयुर्वेद कारगर

डॉ. साहू ने बताया कि आयुर्वेद के जरिए हम अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ा सकते हैं। रोग प्रतिरोधक क्षमता के बढ़ने से न केवल कोरोना वायरस जैसी महामारी से खुद को बचाया जा सकता है, बल्कि कई अन्य तरह के घातक वायरस से भी बचाव होता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए आयुर्वेद में कई तरह की जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों का उपयोग होता है। ये हमारे आसपास आसानी से उपलब्ध भी हैं।

शानदार पहलः विधानसभा का बजट सत्र होगा पेपरलेस, विधायक पूछेंगे ऑनलाइन प्रश्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र सात मार्च से शुरू होने जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल नौ मार्च को साल 2022-23 का वार्षिक बजट पेश करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सदन की कार्यवाही में अब हर साल 58 पेड़ बचेंगे। वहीं पर्यावरण में करीब 10 टन कॉर्बनडाइ ऑक्साइड का उत्सर्जन भी कम होगा। दरअसल, महंत विधानसभा में इस सत्र से शुरू हुई सवाल-जवाब की ऑनलाइन प्रणाली के फायदे बता रहे थे।

उन्होंने बताया कि लेस पेपर प्रणाली के प्रभाव पर उन्होंने आईआईटी खड़गपुर के पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग से एक अध्ययन कराया है। उसकी प्रारंभिक रिपोर्ट आ गई है। इसके मुताबिक, पिछले आठ सालों में विधायकों ने 36 हजार 650 सवाल लगाए हैं। इनके उत्तर आने के प्रत्येक चरण में करीब 100 पेज का उपयोग होता है। ऐसे में सालाना चार लाख 55 हजार पेज खर्च होते हैं। अगर यह खर्च रुकता है तो करीब 2.2 टन कागज की बचत होगी। इसकी वजह से हर साल 9.68 टन लकड़ी या 58 पेड़ कटने से बच जाएंगे। कागज बनाने की प्रक्रिया में लगने वाले एक लाख लीटर पानी की बचत होगी। वहीं इतनी बिजली बच जाएगी, जितनी 73 घरेलू रेफ्रीजरेटर को एक साल तक चलाने के लिए काफी है।

सीएम बघेल रखेंगे तीसरा अनुपूरक बजट

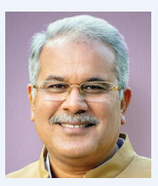

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। उसके बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल साल 2021-22 का तीसरा अनुपूरक बजट रखेंगे। बजट सत्र को छोटा रखने पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि अधिकतर विधायकों की ड्यूटी विधानसभा चुनावों में लगी थी। इसी वजह से सत्र को छोटा रखा गया है।

उन्होंने बताया कि अध्ययन में बताया गया है कि इस पूरी प्रक्रिया से हर साल 9.9 टन कॉर्बनडाइ ऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आएगी। दूसरे पर्यावरणीय प्रभावों की भी बारीक जानकारी इस अध्ययन में दी गई है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि पहली बार ही 90 फीसदी सवाल ऑनलाइन ही मिले हैं।

छत्तीसगढ़ में भी नंदी के दूध व पानी पीने का वीडियो हो रहा वायरल, शिव मंदिरों में लगा भक्तों का तांता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मध्य प्रदेश, राजस्थान के बाद छत्तीसगढ़ में भी नंदी को दूध और पानी पिलाने बड़ी संख्या में भक्त शिव मंदिरों में पहुंच गए हैं। भिलाई, दुर्ग समेत प्रदेश के कई शहरों के शिवालयों में लोगों की भीड़ उमड़ गई है। लोग नंदी को दूध पिलाते हुए वीडियो बनाकर शेयर भी कर रहे हैं। भिलाई-दुर्ग शहर व आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में शनिवार को अचानक शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। श्री शिवाय नमस्तुभ्यम का जाप करते भक्त दूध और पानी नंदी को पिला रहे हैं।

दुर्ग के एक शिवालय पहुंचे तुलिका तिवारी, बबली मिश्रा, मंजू सोनी, पारूल तिवारी, संकल्प ने बताया कि भगवान शिव की सवारी नंदी द्वारा पानी और दूध पीने की जानकारी मिली तो हम हाथों में जल और दूध लेकर मंदिरों में पहुंचे हैं। अपने हाथों से नंदी को दूध और जल पिलाया। चम्मच में पानी लेकर नंदी के मुख में रखने पर पानी खत्म हो जा रहा है। नदी को दूध पिलाने बच्चे, महिलाएं व बड़े भी पहुंच रहे हैं। लोग इसे आस्था से जोड़ रहे हैं। इस मौके पर शिवालयों में बाबा भोलेनाथ के जयकारे भी लगे रहे हैं। शंख भी बजाए जा रहे हैं।

श्रद्धालु पानी व दूध पिलाते वीडियो भी बना रहे

श्रद्धालुओं का दावा है की नंदी भगवान की मूर्ति जल और दूध पी रही है, लेकिन अधिकांश जगहों पर उत्साह और गहरी आस्था के कारण बड़ी संख्या में लोग नंदी भगवान को जल पिलाने पहुंच रहे हैं।??? दरअसल, आज सुबह से ही शिवालयों में भगवान नंदी द्वारा जल और दूध पीने के वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। नंदी भगवान के दूध व पानी पीने की खबर ने कई सालों पहले भगवन गणेश द्वारा दूध पीने की याद ताजा कर दी। कुछ लोग इसे अंधविश्वास भी कह रहे हैं। वहीं कुछ आस्था और चमत्कार बता रहे हैं।

संपादकीय

हमें पिछलग्गू नहीं बनना

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से रूसी हमले के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पास कराने की वोटिंग में भारत ने हिस्सी नहीं लिया। क्या भारत को इस वोटिंग में हिस्सा लेना चाहिए था, इस पर अलग-अलग राय है और कहा जा रहा है कि भारत को इस पर दोबारा विचार करना चाहिए लेकिन क्या अमेरिका के पाले में खड़े होने का फैसला सही रहेगा? यूक्रेन में हालात जैसे-जैसे बिगड़ते जा रहे हैं, दुनिया भर में इस युद्ध के दुष्प्रभावों को लेकर बहस भी तेज होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से रूसी हमले के खिलाफनिंदा प्रस्ताव पारित कराने का प्रयास नाकाम हो जाने के बाद बुधवार को वैसा ही प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा की आपात बैठक में पेश किया गया। यह प्रस्ताव भारी बहुमत से पारित हो गया, लेकिन सुरक्षा परिषद की ही तरह यहां भी भारत ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

> इसी नीति की वजह से दुनिया में भारत ने स्वतंत्रता मिलने के तुरंत बाद ही अपनी पहचान बना ली थी। गुटनिरपेक्षता के कारण ही शीत युद्ध के दौरान भारत ना ही सोवियत संघ और ना ही अमेरिका के कैंप में गया। भारत आज भी उन्हीं सिद्धांतों पर चलते हुए, अपने राष्ट्रीय हितों को देखते हुए क्वाड जैसे मंचों पर अमेरिका के साथ है तो दूसरी तरफचीन के दबदबे वाले शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन और आसियान के साथ भी जुड़ा हुआ है। रूस भी शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन का अहम सदस्य है। इसलिए यूक्रेन मामले में भी भारत को यह नीति नहीं छोड़नी चाहिए।

इसी संदर्भ में हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया ने गुरुवार के अंक में प्रकाशित संपादकीय में कहा कि भारत को अपने रुख पर दोबारा विचार करना चाहिए। उसके मुताबिक मतदान से गैरहाजिर रहकर तटस्थता दिखाने के बजाय भारत को इस मामले में खुलकर रूस के खिलाफ स्टैंड लेना चाहिए। संपादकीय कहता है कि आक्रमणकारी भूमिका में आकर परमाणु युद्ध की धमकी दे रहे रूस के खिलाफ सभी देश एकजुट हो रहे हैं। पारंपरिक तौर पर गुटनिरपेक्ष माने जाने वाले स्विट्जरलैंड और फिनलैंड जैसे देशों ने भी अपना पक्ष स्पष्ट कर दिया है। ऐसे में भारत कब तक अपने पुराने रुख पर बना रह सकता है? संपादकीय में याद दिलाया गया है कि विदेश नीति की सबसे अहम कसौटी हमेशा राष्ट्रीय हित को ही माना जाता है।

मगर सवाल यह है कि क्या मौजूदा हालात में भारत के राष्ट्रीय हित उसे अपना रवैया पूरी तरह बदल कर अमेरिका के पाले में खड़े होने की इजाजत देते हैं? इस संदर्भ में पहली बात यह है जो इन दिनों बार-बार दोहराई भी जाती रही है कि भारत के लिए हथियारों का सबसे बड़ा सप्लायर देश रूस ही है। इसमें रातों-रात कोई बदलाव नहीं लाया जा सकता। ऐसा करने पर अरबों डॉलर के हथियार किसी काम के नहीं रह जाएंगे और नई सप्लाई हासिल करने में वक्त लगेगा। इससे देश की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। दूसरी बात यह है कि भारत ने यूक्रेन मामले में तटस्थ रुख अपनाया है। युद्ध जल्द खत्म करने की अपील की है। वह शांतिपूर्ण तरीके से इस मसले का समाधान निकालने का हिमायती है। आज भी भारत गुटनिरपेक्षता की परंपरागत विदेश नीति पर चल रहा है, जो मूल्यों पर आधारित रही है। यह आजादी के बाद से भारतीय विदेश नीति की बुनियाद रहा है। इसी नीति की वजह से दुनिया में भारत ने स्वतंत्रता मिलने के तुरंत बाद ही अपनी पहचान बना ली थी। गुटनिरपेक्षता के कारण ही शीत युद्ध के दौरान भारत ना ही सोवियत संघ और ना ही अमेरिका के कैंप में गया। भारत आज भी उन्हीं सिद्धांतों पर चलते हुए, अपने राष्ट्रीय हितों को देखते हुए क्वाड जैसे मंचों पर अमेरिका के साथ है तो दूसरी तरफ चीन के दबदबे वाले शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन और आसियान के साथ भी जुड़ा हुआ है। रूस भी शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन का अहम सदस्य है। इसलिए यूक्रेन मामले में भी भारत को यह नीति नहीं छोड़नी चाहिए।

> **उत्तर प्रदेश की पिछली विधानसभा में 322 यानी 80 प्रतिशत विधायक करोड़पति थे। इनकी औसत आमदनी 5.92 करोड़ आंकी गई थी। इसके बरक्स 2017-18 में उत्तर प्रदेश की प्रति-व्यक्ति आय 48,520 रुपये थी, जो अब 74,480 रुपये पर जा पहुंची है। तय है, आम आदमी की आय पांच साल में दोगुनी नहीं होती, पर माननीयों की संपत्ति कई गुना बढ़ जाती है। सवाल उठता है कि ये लोग स्वहित में काम करते हैं या जनहित में?**

मतदाता के मन की बात

शशि शेखर

उत्तर प्रदेश में चुनावी शोर थम गया है। क्या चुनाव सिर्फ वक्ती माहौल बनाते हैं और रुखसत हो जाते हैं? नहीं, हर मतदान की अपनी अनोखी दास्तां होती है। इस दौरान उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के विभिन्न अंचलों में घूमते हुए मुझे भारतीय लोकतंत्र की जिन अंदरूनी परतों के दर्शन हुए, उन्हें आपसे साझा करने की इजाजत चाहता हूं।

कोरोना ने भारतीय अर्थव्यवस्था की जो रीढ़ तोड़ी है, हम इससे कैसे और कब उबरेंगे, इस पर अर्थशास्त्रियों की राय बंटी हुई है। उनकी भविष्यवाणियों का तहे दिल से सम्मान करते हुए भी कहना चाहूंगा कि भारतीय लोक अपने तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए अपेक्षा से ज्यादा तेज गति से वापस लौट चला है। बड़ी मात्रा में खाद्यान्न और अन्य सरकारी इमदाद के चलते लोगों में आत्मविश्वास जागा है कि चाहे जो हो जाए, वे भूखे नहीं मरेंगे। संतोषी स्वभाव वाले हिन्दुस्तानियों के लिए पेट में जीने लायक अन्न हो, तो वे कुछ भी कर सकते हैं। हिंदी पट्टी के ये दो प्रदेश एक बार फिर समूची ऊर्जा के साथ योगदान के लिए तत्पर हैं।

क्या आप सोचते हैं कि आपको जीवन भर ऐसे ही बिना जेब में हाथ डाले खाने को अनाज मिलता रहेगा? अधिकांश लोगों ने इस सवाल का जवाब यही दिया- हम जानते हैं, ऐसा नहीं हो सकता। ज्यादातर को आशंका है कि यह योजना चुनाव के बाद खत्म हो जाएगी, पर वे इससे भयभीत नहीं हैं। वे जानते हैं कि कोई भी हुकूमत आजीवन उनका पेट नहीं भर सकती। मथुरा में एक दलित महिला ने तो यहां तक कहा कि जितना हो गया, बहुत है। अगर ऐसे ही सब कुछ 'फ्री' मिलता रहा, तो हमारे बच्चे कामचोर हो जाएंगे। आम भारतीय की श्रम साधना के साथ इस स्वाभिमान को सलाम करने को जी चाहता है।

अब नौजवानों की बात। मुझे लगता था, कोरोना ने उनका मनोबल तोड़ दिया होगा। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि सारी रिपोर्टें बताती हैं, काम के अवसर पहले के मुकाबले कम हैं। लघु एवं मध्यम उद्योगों पर कठोरतम मार पड़ी है। असंगठित क्षेत्र के साथ मिलकर लघु एवं मध्यम उद्योग 90 फीसदी से अधिक रोजगार जनते हैं। जब इन्हीं को पाला मार गया हो, तो फिर बेरोजगारी पर कैसे काबू पाया जाएगा? यह स्थिति अर्थशास्त्रियों में नाउम्मीदी पैदा करती है, पर गांवों और कस्बों के नौजवान अगर अति-आशावादी नहीं हैं, तो निराशावादी भी कतई नहीं हैं। उन्हें लगता है कि देश आगे बढ़ रहा है और यह तरक्की उनके लिए नए दरवाजे खोलने वाली साबित होगी। वे गलत नहीं हैं। हम भारतीय सदियों से अपनी मिट्टी से ताकत हासिल करते आए हैं।

इन पंक्तियों से यह मानने की गलती मत कर बैठिएगा कि सब अच्छा चल रहा है। बड़ी संख्या में ऐसे नौजवान भी मिले, जो सरकारी भर्तियां न खुलने से बेजार थे। सेना, पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों में नौकरी करना गांवों में आज भी रुतबे की बात मानी जाती है, पर युवाओं के बड़े तबके को लगता है कि इस क्षेत्र में सरकार सही काम नहीं कर रही। यही वजह है कि कई जगह मंत्रियों की सभाओं में नौजवानों ने खुलेआम मांग रखी कि भर्तियां खोली जाएं।

इससे निपटने के लिए सरकार इनोवेशन और स्व-रोजगार पर जोर दे रही है। पर इस दिशा में किए जा रहे काम अभी शुरुआती अवस्था में हैं। उनमें हर हाल में तेजी लानी होगी। इसके बिना गांवों से बड़ी संख्या में होने वाला पलायन रुकना मुश्किल है। अपने ही मुल्क में जलावतनी झेलने वाले लोगों की बढ़ती तादाद वाकई चिंताजनक है। इससे हमारे महानगर चरमरा रहे हैं और गांव वीरान हो रहे हैं।

मतदाताओं के बड़े वर्ग से बातचीत के दौरान एक साझा राय यह भी उभरी कि हमारे नेताओं को अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। लगभग सभी का मानना था कि यदि नेता अपनी ऊर्जा का उपयोग अपशब्दों का प्रवाह बढ़ाने के बजाय उनके हित में करें, तो हालात बदल सकते हैं। अधिकांश जगह लोग अपने जन-प्रतिनिधि से असंतुष्ट दिखे। उन्हें बड़े नेताओं से तो कोई शिकायत नहीं, पर उनको ऐसा लगता है कि हमारा जन-प्रतिनिधि हमारी बातों को सही तरीके से 'ऊपर' तक नहीं पहुंचा रहा। क्या वाकई ऐसा है?

एक विधायक ने इसके जवाब में अपना दर्द बयान किया कि पार्टी और नेता के नाम पर हमें वोट मिलते जरूर हैं, मगर चुनाव जीतने के लिए हमें हर तरह के संसाधन झोंकने पड़ते हैं। हम जैसे लोगों से ही विधानमंडलों और पार्टी में बड़े नेताओं की जय-जयकार होती है, पर हमारे हाथ में अधिकार क्या हैं? मंत्री व मुख्यमंत्री आलाकमान की पसंद से चुने जाते हैं और वे अपना सारा ध्यान उन्हें खुश रखने और अपने हितों को पोसने में लगा देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अफसर हमारी सुनते नहीं, क्योंकि उनकी नियुक्ति में हमारा कोई दखल नहीं। अब जिस भी पार्टी की सरकार आए, वह इस द्वैत को दूर करने का पुरजोर प्रयास करे।

यहां यह भी सवाल उठता है कि क्या हमारे जन-प्रतिनिधि वाकई आम आदमी के हक-हुकूक की रक्षा करने के काबिल हैं? दुर्भाग्य से आंकड़े उनके खिलाफगवाही देते हैं। एडीआर की ताजा रिपोर्ट पर यकीन करें, तो उत्तर प्रदेश के मौजूदा विधानसभा चुनाव में कुलजमा 4,442 लोग किस्मत आजमाने उतरे। इनमें से 1,142 पर आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं। भरोसा न हो, तो इन आंकड़ों पर नजर डाल देखिए, सब कुछ साफ हो जाएगा। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 169, समाजवादी पार्टी ने 224, बसपा ने 153, कांग्रेस ने 160, राष्ट्रीय लोकदल ने 18 ऐसे उम्मीदवारों को टिकट दिए, जिन पर आपराधिक मुकदमे हैं। कुछ पर तो हत्या, बलात्कार और अपहरण तक के आरोप हैं। चुनाव-दर-चुनाव इस आंकड़े में बढ़ोतरी हुई है।

यकीनन, यह कहावत भारतीय संदर्भ में गलत साबित होती है कि लोकतंत्र में सत्तानायक वैसा ही होता है, जैसी जनता होती है? क्या हम भारतीय मिजाज से अपराधी हैं? इन आंकड़ों से आप यह भी समझ गए होंगे कि राजनीति में भाषा और संस्कार की गिरावट क्यों होती जा रही है!

एक और बात। इस बार की विधानसभाओं में भी करोड़पति माननीयों की तादाद कम नहीं होने वाली। उत्तर प्रदेश की पिछली विधानसभा में 322 यानी 80 प्रतिशत विधायक करोड़पति थे। इनकी औसत आमदनी 5.92 करोड़ आंकी गई थी। इसके बरक्स 2017-18 में उत्तर प्रदेश की प्रति-व्यक्ति आय 48,520 रुपये थी, जो अब 74,480 रुपये पर जा पहुंची है। तय है, आम आदमी की आय पांच साल में दोगुनी नहीं होती, पर माननीयों की संपत्ति कई गुना बढ़ जाती है। सवाल उठता है कि ये लोग स्वहित में काम करते हैं या जनहित में?

बलूच उन्हें लौह महिला बुलाते हैं

जलीला हैदर, मानवाधिकार कार्यकर्ता

परसों जब अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर दुनिया भर में जलसे होंगे, तब सीरिया, अफगानिस्तान से लेकर यूक्रेन तक की औरतों के हक-हुकूक के नारे लगाए जाएंगे, उनसे हमदर्दी जताई जाएगी, उनकी मदद के वास्ते कुछ संकल्प भी उठाए जाएंगे; ये सब जरूरी हैं, लेकिन 21वीं सदी के तीसरे दशक में खड़े संसार के वे देश, जो किसी जंग के शिकार नहीं, क्या अपने यहां की आधी आबादी की स्थिति से संतुष्ट हैं? जलीला हैदर जैसी महिलाएं उन्हें आईना दिखा रही हैं।

इस धरती की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक क्वेटा, पाकिस्तान में 10 दिसंबर, 1988 को जलीला पैदा हुईं। वह जिस समुदाय (हाजरा) से आती हैं, उसके साथ हमेशा से ही पाकिस्तान में दोयम दर्जे के नागरिक-सा सुलूक होता रहा है। फिर तालिबान के उभार और इस समुदाय के प्रति उसके नफरती रवैये ने क्वेटा को कभी राहत की सांस नहीं लेने दी। आए दिन शिया समुदाय, खासकर हाजरा लोगों को लक्षित करके खूनी हमले होते रहे। ऐसे माहौल में जलीला का बलूचिस्तान यूनिवर्सिटी तक का सफर कितना मुश्किल रहा होगा, इसकी सहज कल्पना की जा सकती है। उन्हें न केवल बहुसंख्यक समुदाय के भेदभाव और उसकी हिकारत का सामना करना पड़ा, बल्कि खुद अपने तबके के रूढ़िवादियों की फब्तियां और धमकियां झेलनी पड़ीं। मगर माता-पिता अपनी बेटी के पीछे लगातार मजबूती से खड़े रहे और जलीला ने भी उन्हें कभी मायूस नहीं किया। वह पढ़ती गईं, बढ़ती गईं।

बलूचिस्तान यूनिवर्सिटी से अंतरराष्ट्रीय संबंधों में मास्टर्स की डिग्री लेने वाली जलीला ने छोटी उम्र में ही वकील बनने का सपना देखा था, लेकिन परेशानकुन बात यह थी कि उनके तबके की कई लड़कियां कानून की डिग्री लेने के बावजूद बार कौंसिल से जुड़ने का साहस नहीं जुटा सकीं। इस पेशे में पुरुषों का किस कदर दबदबा रहा है, इसका अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में पहली महिला जज की नियुक्ति इस बरस जाकर हुई है और वह भी वकीलों की जबर्दस्त मुखालफत के बीच।

बहरहाल, 13 फरवरी, 2013 को हुए हाजरा टाउन विस्फोट ने जलीला को गहरे आहत किया। हाजरा समुदाय को निशाना बनाने के इरादे से क्वेटा के सब्जी बाजार में एक टैंकर में भारी मात्रा में विस्फोटक लगाए गए थे। उस धमाके में 84 लोग मारे गए और 160 बुरी तरह जख्मी हुए थे। जलीला अपने एक परिजन को तलाशती हुई जब इमाम-बारगाह की तरफ बढ़ीं, तो उनकी नजर एक लाश पर पड़ी। पहले तो लगा कि यह किसी पुरुष का शव है, मगर गौर से देखा, तो वह बुरी तरह सहम उठीं। वह एक महिला थी, जो अपने गर्भस्थ शिशु के साथ जल मरी थी।

बलूचों, अल्पसंख्यकों के साथ होने वाली ज्यादतियां जलीला के भीतर के डर को मारती गईं और फिर एक दिन वह बलूचिस्तान बार कौंसिल की दहलीज पर थीं। इस तरह, हाजरा समुदाय की पहली महिला वकील के तौर पर उनका नाम पाकिस्तान के इतिहास में दर्ज हो गया। अब वह खास तौर से अपने समुदाय के लोगों को मुफ्त कानूनी मदद मुहैया कराने लगीं। यही नहीं, पहचान पत्र से लेकर दीगर सरकारी दस्तावेज हासिल करने के लिए भी वह अल्पसंख्यकों को प्रेरित करने लगीं।

जाहिर है, इस काम ने मजलूमों में तो उनकी पहचान स्थापित कर दी, मगर दहशतगर्द जमातों और सरकारी ओहदेदारों को उनका दुश्मन बना दिया। जलीला को जान से मारने की धमकियां दी जाने लगीं। इसके कारण उन्हें कई बार कोर्ट से लंबे-लंबे अंतराल के लिए दूरी बनानी पड़ी, मगर उन्होंने शिकस्त नहीं मानी और इंसाफ की लड़ाई के लिए वह अदालतों में लौटती रहीं। अप्रैल 2018 में हाजरा समुदाय को लक्षित करके चार हमले हुए। कई लोग मारे गए। यतीम बच्चों, बेसहारा विधवाओं की पीड़ा से दुखी जलीला क्वेटा प्रेस क्लब के सामने इस मांग के साथ भूख हड़ताल पर बैठ गईं कि सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा क्वेटा आकर गमजदा माओं और विधवाओं के आंसू पोछें और उन्हें इंसाफ दिलाएं। उस भूख हड़ताल ने इस्लामाबाद की नींद उड़ा दी, क्योंकि दुनिया भर का मीडिया उसे कवर करने लगा था। अंतत: पांचवें दिन बाजवा को आना पड़ा। फिर पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश ने भी बलूचों की उन हत्याओं का संज्ञान लिया और जांच एजेंसियों से फौरन रिपोर्ट तलब की।

इस वाकये के बाद कई लापता नौजवानों की माओं के सरकारी दस्तावेज दुरुस्त हुए, उन्हें मुआवजे देने पड़े और प्रशासनिक अफसरों पर भी गाज गिरी। जलीला की इस दिलेरी को देखते हुए बीबीसी ने उन्हें साल 2019 में दुनिया की 100 प्रभावशालीत्रियों में शुमार किया, तो अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने 2020 में उन्हें 'इंटरनेशनल वुमन ऑफ करेज' अवॉर्ड से नवाजा। अब तो काफी सारे लोग उन्हें 'आयरल लेडी ऑफ बलूचिस्तान' कहते हैं।

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

महिला क्रिकेट प्रतियोगिता : चार दिवसीय प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

कोरबा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा महिला क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता का कोरबा शहर स्थित सीएसईबी फुटबाल ग्राउंड में आज शानदार आगाज हुआ। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला कंवर की मुख्य आतिथ्य में महिला क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर नगर निगम के महापौर राज किशोर प्रसाद और कलेक्टर श्रीमती रानू साहू ने भी क्रिकेट पिच पर बल्ला थामकर क्रिकेट खेला और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। दिन के आखिरी मुकाबले में बालको टीम की तरफसे सोनाली सेनापति ने प्रतियोगिता का पहला शतक लगाया। उन्होंने चौकों-छक्कों की बरसात करते हुए 9 छक्कों 13 चौकों की मदद से केवल 38 गेंदों में शानदार 110 रनों की पारी खेली। सोनाली की बैटिंग देखकर दर्शक गण मंत्रमुग्ध हो गए। इससे पहले दिन के पहले ही मैच में महिला बाल विकास विभाग टीम की बिंदिया ने 73 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई। इस पारी में 11 चौके और पांच लाजवाब छक्के भी शामिल थे। बिंदिया की धुआंधार बैटिंग देखकर सभी दर्शक खुशी से झूम उठे। क्रिकेट प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला कंवर ने सभी को महिला दिवस की अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि देश में संविधान ने महिलाओं को सभी क्षेत्र में बराबरी का हक प्रदान किया है । महिलाएं अपने प्रतिभा के दम पर हर क्षेत्र में सर्वोत्तम स्थान प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं को केंद्र में रखकर इस प्रकार का खेल आयोजन करने के लिए जिला प्रशासन को बधाई और खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। क्रिकेट प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर महापौर राज किशोर प्रसाद ने कहा कि पहले महिलाएं केवल घर के कामकाज तक ही सीमित रह जाती थी।

सभी वर्गों के विकास के लिए काम कर रही है राज्य सरकार: डॉ. डहरिया

चंदखुरी में आयोजित जैविक कृषि मेला में शामिल हुए नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. डहरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया यहां चंदखुरी में आयोजित जिला स्तरीय जैविक कृषि मेला सह स्वाइल हेल्थ कार्ड (नमसा) योजना अंतर्गत प्रशिक्षण एवं प्रदर्शनी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग सरकार के सबसे महत्वपूर्ण विभागों में से एक है, हर व्यक्ति किसी न किसी रूप से कृषि से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कृषक के हितों के लिए चलाई जा रही राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में भी बताया और कहा सरकार अपना वादा पूरा कर रही है।

मंत्री डॉ. डहरिया ने किसानों का कर्जा माफ़ बिजली बिल हाफ़ समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, सुराजी गांव योजना, नरवा गरवा घुरवा बाड़ी, गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, भूमिहीन मजदूर न्याय योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि हमारी सरकार किसान हितैषी सरकार है, किसानों के हित के लिए हर पल खड़ी है। लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है जिससे वे आर्थिक समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं तथा सबके जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार आ रहा है। उन्होंने कहा कि चंदखुरी में कौशल्या माता मंदिर है जो कि पूरे विश्व में एक ही मंदिर है। चंदखुरी पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने गौठान में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टालों का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि शासकीय योजनाओं का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार होना चाहिए, ताकि आम जनों को योजनाओं की जानकारी हो सके और वह उस योजना के तहत लाभ ले सके।

डॉ. डहरिया ने कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, मत्स्य विभाग के हितग्राहियों को चेक एवं सामग्री का भी वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने हितग्राहियों को दस हजार रुपए का चेक, आइस बॉक्स, जाल तथा 30 किलो और 5 किलो के वर्मी पैकेट का भी वितरण किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत रायपुर कि अध्यक्ष श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा, कृषि स्थाई समिति जिला पंचायत रायपुर के सभापति श्री राजू शर्मा, आरंग जनपद पंचायत के अध्यक्ष श्री खिलेश्वर देवांगन, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ललिता कृष्णा वर्मा, नगर पंचायत चंदखुरी के अध्यक्ष श्री रविशंकर धीवर, संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पशुपालक ग्रामीणों, स्व-सहायता समूहों और गौठानों को ऑनलाइन जारी करेंगे 5.38 करोड़ रूपए

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज संध्या 5.30 बजे अपने निवास कार्यालय में गोधन न्याय योजना के राशि अंतरण कार्यक्रम के तहत पशुपालक ग्रामीणों, गौठानों से जुड़ी महिला समूहों और गौठान समितियों को 5 करोड़ 38 लाख रूपए की राशि ऑनलाइन जारी करेंगे, जिसमें 16 फ़रवरी से 28 फ़रवरी तक राज्य के गौठानों में पशुपालक ग्रामीणों, किसानों, भूमिहीनों से गोधन न्याय योजना के तहत क्रय किए गए गोबर के एवज में 2 करोड़ 7 लाख रूपए भुगतान तथा गौठान समितियों को 1.32 करोड़ और महिला समूहों को 1.98 करोड़ रूपए की लाभांश राशि शामिल हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि गोधन न्याय योजना के तहत गौठानों में ग्रामीणों से 2 रूपए की दर से गोबर की खरीदी की जा रही है। गौठानों में 15 फ़रवरी तक खरीदे गए 64.92 लाख क्विंटल गोबर के एवज में गोबर बेचने वाले ग्रामीणों को 129.86 करोड़ रूपए का भुगतान भी किया जा चुका है। 31.34 करोड़ रूपए राशि लाभांश की भुगतान किया जा चुका है।

जनसंपर्क विभाग के सूचना शिविर के माध्यम से लोगों तक पहुँच रही है जानकारी

बांधा में किया गया सूचना शिविर सह फोटो प्रदर्शनी का आयोजन

बिलासपुर। जनसंपर्क विभाग के सूचना शिविर एवं छायाचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से शासकीय योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुँचाई जा रही है। आज इस शिविर का आयोजन तखतपुर ब्लाक के गाँव बांधा में हुआ। इस अवसर पर ग्रामीणों ने रुचि से छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं सूचना शिविर के माध्यम से शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

शिविर में जनमन सहित अन्य प्रचार सामग्री का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर चर्चा में ग्रामीणों ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आम जनता के हित में अनेक निर्णय लिये हैं इसका लाभ प्रदेश के सभी वर्गों के नागरिकों को मिल रहा है।

शिविर का आयोजन सरपंच संतोष बैरा की अध्यक्षता में किया गया। शिविर में शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गयी। हाट बाजार में आए ग्रामीण लखनलाल शर्मा ने कहा कि राजीव गाँधी किसान न्याय योजना के माध्यम से किसानों को बड़ी राहत मिली है। कोविड काल होने के बावजूद शासन ने किसानों के साथ पूरा सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि गोधन योजना के माध्यम से भी पशुपालकों को प्रोत्साहन मिल रहा है। आकाश ने बताया कि सरकार ने गोधन न्याय योजना शुरू किया है जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिली है। श्रीमती सरोज बाई ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने महिलाओं की बेहतरी के लिए बहुत सारी योजनाएं संचालित की है। शिविर में श्री राजेश सिंह, श्री पवन कुमार, श्री दिलीप यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थे।

आगामी प्रदर्शनी सूचना शिविर सह छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन 06 मार्च को बिल्हा विकासखंड के ग्राम बरतोरी एवं 08 मार्च को बिल्हा विकासखण्ड के ग्राम टेकर में किया जाएगा।

वनांचल के 1962 छोटे-बड़े नालों में 8 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि होगी उपचारित: मो. अकबर

नरवा विकास : वर्ष 2021-22 में कैम्पा मद से 392 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत, लगभग 38 लाख संरचनाओं का निर्माण प्रगति पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा संचालित सुराजी गांव योजना के तहत नरवा विकास कार्यक्रम अंतर्गत कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना 2021-22 में 392 करोड़ रूपए से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। इसमें 01 हजार 962 छोटे-बड़े नालों के 8.17 लाख हेक्टेयर जल ग्रहण क्षेत्र में लगभग 38 लाख भू-जल संरक्षण संबंधी संरचनाओं का निर्माण प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की विशेष पहल और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में राज्य के वन क्षेत्रों में भू-जल संरक्षण तथा संवर्धन के लिए बड़े तादाद में जल स्रोतों, नदी-नालों और तालाबों को पुनर्जीवित करने का कार्य लिया गया है। कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना 2021-22 के तहत प्रदेश के दो राष्ट्रीय उद्यान, दो टाईगर रिजर्व, 01 सामाजिक वानिकी तथा 01 एलीफेंट रिजर्व सहित 30 वन मंडलों के नालों में भू-जल संवर्धन संबंधी संरचनाएं निर्मित की जा रही है। छत्तीसगढ़ राज्य प्रतिकरात्मक वनरोपण, निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (कैम्पा) मद से बनने वाली इन जल संग्रहण संरचनाओं से वनांचल में रहने वाले लोगों और वन्य प्राणियों के लिए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही नाले में पानी का भराव रहने से आस-पास की भूमि में नमी बनी रहेगी। इससे खेती-किसानी में सुविधा के साथ-साथ आय के स्रोत और हरियाली में भी वृद्धि होगी। इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री राकेश चतुर्वेदी ने बताया कि नरवा विकास योजना के तहत कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना 2021-22 के अंतर्गत गुरू घासीदास राष्ट्रीय उद्यान सरगुजा के 50 नालों में 96 हजार 850 तथा कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान जगदलपुर के 7 नालों में 13 हजार 559 संरचनाओं का निर्माण किया किया जा रहा है। इसी तरह इन्द्रावती टायगर रिजर्व बीजापुर के 93 नालों में एक लाख 80 हजार 847 तथा अचानक मार्ग टायगर रिजर्व लोरमी के 52 नालों में एक लाख से अधिक संरचनाओं का निर्माण हो रहा है। इसके अलावा एलीफेंट रिजर्व सरगुजा के 64 नालों में एक लाख 23 हजार 580 तथा अनुसंधान एवं विस्तार जगदलपुर के अंतर्गत 33 नालों में 63 हजार से अधिक संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है।

इसी तरह वन मंडलवार खैरागढ़ के 33 नालों में 64 हजार 775, बालोद के 20 नालों में 38 हजार 678, राजनांदगांव के 80 नालों में एक लाख 54 हजार 475 तथा कवर्धा के 75 नालों में एक लाख 35 हजार 275 संरचनाओं का निर्माण हो रहा है। बिलासपुर के 50 नालों में 96 हजार 850, मरवाही के 128 नालों में 2 लाख 48 हजार 516, कोरबा के 83 नालों में एक लाख 59 हजार 802 तथा कटघोरा के 50 नालों में 96 हजार 850 संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है।

रायगढ़ के 19 नालों में 36 हजार 415, धरमजयगढ़ के 86 नालों में एक लाख 65 हजार 613, जांजगीर-चांपा के 5 नालों में 9 हजार 685 तथा मुंगेली के 35 नालों में 68 हजार 614 संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 22 जोड़े नवदम्पति के हुए हाथ पीले

सिहावा विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव ने दिया नवयुगल दम्पतियों को आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आज विकासखण्ड मुख्यालय नगरी के शीतला माता मंदिर परिसर में महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में 22 जोड़े वर-वधुओं का विवाह वैदिक रीति-रिवाज से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर सिहावा विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव उपस्थित थीं।

उन्होंने सभी नवयुगल दम्पतियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि समाज के फिजूलखर्ची आडम्बरों के चलते कई ऐसे परिवार हैं जिन्हें विवाह जैसा समारोह आयोजित करने में आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि प्रदेश के संवेदनशील मुखिया श्री भूपेश बघेल ने समाज के ऐसे ही तबके के लोगों को आर्थिक बोझ से उबारने तथा कुरीतियों को हतोत्साहित करने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना प्रारम्भ की।

सिहावा विधायक ने सभी उपस्थित लोगों का आव्हान करते हुए उक्त योजना का लाभ लेते हुए इस पुण्य कार्य का भागीदार बनने की अपील की।

इस अवसर पर एसडीएम नगरी चंद्रकांत कौशिक, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास नगरी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और विभिन्न समाज के पदाधिकारी मौजूद थे।

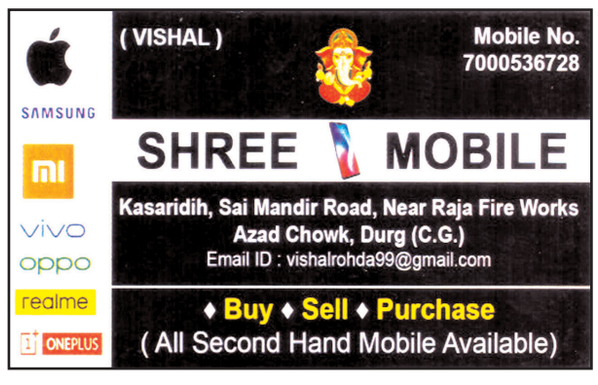

खास खबर

केवल एक वर्ष के भीतर होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के 31 विद्यार्थियों को पांच सितारा होटलों में मिली नौकरियां

रायपुर। छत्तीसगढ़ होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के 31 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट पांच सितारा होटलों में हुआ है। वर्षों से बंद रहने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल पर पिछले वर्ष इंस्टीट्यूट को दोबारा प्रारम्भ किया गया है। एक ही वर्ष में इस इंस्टीट्यूट ने सफलता के नए सोपान तय किये हैं।

इंस्टीट्यूट में बीएससी होटल मैनेजमेंट और डिप्लोमा होटल मैनेजमेंट सहित कुल 116 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। इंस्टीट्यूट की सफलता इसी बात से आंकी जा सकती है कि पांच सितारा होटल मैरिएट ने 12 एवं होटल सयाजी ने 19 इस प्रकार कुल 31 विद्यार्थियों को नौकरी का प्रस्ताव दिया है। इंस्टीट्यूट की प्राचार्या रेखा शुक्ला ने बताया कि इंस्टीट्यूट की बातचीत अन्य अनेक होटलों के साथ चल रही है। इन होटलों ने भी इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों नौकरी देने की पेशकश की है। मेफेयर होटल लगातार इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों को अपने होटल में इंटर्नशिप के लिए बुलाता रहता है। छत्तीसगढ़ का होटल मैनेजमेंट युवाओं को रोजगार के नए अवसर उप्लब्ध कराने में नित नई सफलताएं अर्जित कर रहा है।

राज्य में निर्मित एवं सक्रिय गौठानों की संख्या बढ़कर हुई 8349 बीते एक माह में 301 गौठान हुए निर्मित

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की सुराजी गांव योजना के गरूवा घटक के तहत पशुधन के संरक्षण और संवर्धन के लिए राज्य के गांवों में गौठानों का तेजी से कराया जा रहा है। इस योजना तहत गांवों में अब तक 8349 गौठानों का निर्माण कराया जा चुका हैं, जहां डे-शेल्टर के रूप में पशुधन के देखरेख चारे एवं पानी का नि:शुल्क प्रबंध किया गया है। जनवरी माह अंत तक राज्य में सक्रिय गौठानों की संख्या 8084 थी, जो अब बढ़कर 8349 हो गई है। फरवरी माह में राज्य में 301 गांवों में नये गौठानों का निर्माण किया गया है।

सुराजी गांव योजना के तहत राज्य शासन द्वारा प्रथम चरण में राज्य के सभी ग्राम पंचायतों में गौठान निर्माण और वहां पशुओं के बेहतर प्रबंधन के साथ-साथ ग्रामीणों को आयमूलक गतिविधियों से जोड़ने के लिए आजीविका ठौर रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क विकसित किए जा रहे हैं। गौठान से जुड़ी समूह की महिलाएं कम्पोस्ट खाद के उत्पादन सहित अन्य आयमूलक गतिविधियों के माध्यम से स्वावलंबन की ओर तेजी से अग्रसर हैं। राज्य में अब तक 10,591 गौठानों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है। जिसमें से 8349 गौठान निर्मित एवं संचालित हो रहे हैं। अभी 1752 गौठानों का निर्माण जारी है जबकि 490 गौठान निर्माण शुरू किए जाने की प्रक्रिया में हैं।

छत्तीसगढ़ के आकांक्षी जिलों में फोर्टिफाइड चावल का होगा वितरण

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ राज्य के 10 आकांक्षी जिलों सहित प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों में मध्या- भोजन के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से अप्रैल से फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जाएगा। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में मंत्रालय में राइस फोर्टिफिकेशन योजना के स्टीयरिंग कमेटी की पहली बैठक हुई। इसमें फोर्टिफाइड चावल वितरण की व्यवस्था, योजना के प्रचार-प्रसार, आवश्यकतानुसार चावल भंडारण, आवंटन की स्थिति और स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला बाल विकास और खाद्य विभाग के समन्वय से योजना के सफल क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि योजना के अंतर्गत कुपोषण से प्रभावित क्षेत्रों में फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जाना है। इसके लिए बेसलाइन सर्वे शीघ्र करें। हितग्राहियों की सूची तैयार कर लें।

छत्तीसगढ़ के न्यायालयों में आई.टी. के और अधिक प्रभावी उपयोग, ई-कोर्ट, ई-चालान प्रणाली की प्रगति पर विचार-विमर्श

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस अरूप कुमार गोस्वामी की उपस्थिति में आज यहां व्ही.आई.पी. गेस्ट हाउस पहुना में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में छत्तीसगढ़ के उच्च न्यायालय सहित प्रदेश के न्यायालयों में सुविधाएं बढ़ाने, न्यायालयों में आई.टी. के और अधिक प्रभावी उपयोग, ई-कोर्ट और ई-चालान प्रणाली की प्रगति, कोर्ट में डॉक्टरों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थिति सहित उच्च न्यायालय तथा छत्तीसगढ़ के न्यायालयों से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विधि एवं विधायी मंत्री मोहम्मद अकबर, हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल संजय जायसवाल, उच्च न्यायालय के रजिस्ट्री अधिकारी, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू सहित उच्च न्यायालय और राज्य शासन के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के न्यायालयों में न्यायिक प्रक्रिया को नागरिकों के लिए सुविधाजनक और पारदर्शी बनाने तथा नागरिकों को त्वरित रूप से ऑनलाइन जानकारी उपलब्ध कराने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान को मिली बड़ी सफलता

बच्चों के कुपोषण स्तर में लगातार आ रही गिरावट

प्रदेश में एक लाख 70 हजार बच्चे हुए कुपोषण मुक्त

छत्तीसगढ़ में कुपोषण की दर राष्ट्रीय औसत से भी कम

छत्तीसगढ़ में कुपोषण अन्य राज्यों से कम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चलाए जा रहे मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान को बड़ी सफलता मिल रही है। प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वर्ष 2016 से 2022 तक आयोजित वजन त्यौहार के आंकड़ों के अनुसार कुपोषण की दर में लगातार कमी आई है। इसके चलते बच्चों कुपोषण की दर 30.13 प्रतिशत से घटकर अब मात्र 19.86 प्रतिशत रह गई है। राज्य में कुपोषण दर में लगभग 10.27 प्रतिशत की कमी एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। छत्तीसगढ़ में 2 अक्टूबर 2019 से शुरू हुए मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के चलते एक लाख 70 हजार बच्चे कुपोषण मुक्त हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वजन त्यौहार के द्वारा अवधि विशेष में सभी बच्चों का वजन लिया जाकर पोषण स्तर ज्ञात किया जाता है। विभाग द्वारा जुलाई 2021 में लगभग 22 लाख बच्चों का 10 दिन के भीतर वजन लिया गया और कुपोषण के परिणाम निकाले गये। राज्य शासन द्वारा वजन त्यौहार के आंकड़ों का सत्यापन बाह्य एजेंसियों द्वारा भी कराए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

राष्ट्रीय सर्वे एजेंसी नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के आंकड़ों के अनुसार भी छत्तीसगढ़ में कुपोषण की दर में कमी आई है। कुपोषण का राष्ट्रीय औसत 32.1 प्रतिशत् है, जबकि छत्तीसगढ़ में कुपोषण 31.3 प्रतिशत् है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ में कुपोषण राष्ट्रीय औसत से भी कम है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय सर्वे एजेंसी नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-4 वर्ष 2015-16 के अनुसार छत्तीसगढ़ में कुपोषण की दर 37.7 प्रतिशत थी, जबकि उस समय राष्ट्रीय औसत दर 35.8 प्रतिशत थी। एनएफएचएस-5 के सर्वे रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ राज्य में कुपोषण की दर में 6.4 प्रतिशत गिरावट आई है और यह दर मात्र 31.3 रह गई है। राष्ट्रीय सर्वे एजेंसी नेशनल फैमिली हेल्थ के रिपोर्ट से यह बात स्पष्ट रूप से सामने आई है कि छत्तीसगढ़ राज्य में बच्चों के पोषण स्तर पर ध्यान देने के बेहद सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, जिसके चलते राज्य में कुपोषण दर 30.13 प्रतिशत से घटकर अब मात्र 19.86 प्रतिशत रह गई है।

ज्ञातव्य है कि एनएफएचएस-5 के अनुसार छत्तीसगढ़ में बच्चों में कुपोषण का स्तर गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक, झारखण्ड, बिहार आदि राज्यों से कम है।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान

दिव्यांग एवं वृद्धजनों के सामाजिक सामावेशन विषय पर स्वास्थ्य परीक्षण एवं हकदारी शिविरं का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनपद पंचायत आरंग में 4 मार्च को छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत एक दिवसीय दिव्यांग एवं वृद्धजनों के सामाजिक सामावेशन विषय पर स्वास्थ्य परीक्षण एवं हकदारी शिविरं का आयोजन किया गया। जिसमें दिव्यांगों एवं वृद्धजनों के स्वास्थ्य परीक्षण कर रायपुर जिला मेंडिकल बोर्ड की टीम द्वारा दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाया गया। इस शिविर में जनपद पंचायत क्षेत्र के 138 ग्राम पंचायतों से कुल 186 दिव्यांगजन एवं वृद्धजनों ने भाग लिया। जिसमें 80 लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण,33 लोगो ने उपकरण मांग और 28 दिव्यांग ष्ठ्ठष्ठ हेतु आवेदन और सामाजिक सहायता पेंशन योजना अंतर्गत 39 आवेदन प्राप्त हुए है। जिस पर त्वरित कार्यावाही कर 58 लोगों को मेडिकल बोर्ड का प्रमाण पत्र जारी किया गया तथा 10 अति वृद्धजनों को शिविर स्थल पर सम्मानीय जनपद अध्यक्ष खिलेश्वर देवांगन, उपाध्यक्ष हेमलता डूमेन्द्र साहू एवं सम्मानीय जनपद सदस्यों सहित जनप्रतिनिधियों के आतिथ्य में साल एवं श्रीफल से सम्मानित किया जाकर वाकिंग स्टीक (छड़ी) का वितरण किया गया।

इस अवसर पर जिला मेडिकल बोर्ड के सम्मानीय चिकित्सकगण मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ एम. पी.महेश्वर, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ व्ही. के झा, ई.एन.टी. चिकित्सक डॉ एस. के भण्डारी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ निधी ग्वालरे, मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ अविनाश शुक्ला, क्लीनिकल साईकोलाजिस्ट, रजिया, दिव्याता लिपिक अनुराधा द्विवेदी, दिव्यांग यूडीआईडी से अभिलाष वर्मा, समाज कल्याण विभाग से भूपेश पाण्डे संयुक्त संचालक रायपुर, अमित परिहार परीवीक्षा अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी किरण कुमार कौशिक सहित एनआरएलएम के समस्त क्षेत्रिय समन्वयक सहित जनपद पंचायत आरंग के जनप्रतिनिधी एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रदेश में 6 से 12 मार्च तक मनाया जाएगा विश्व ग्लॉकोमा सप्ताह

पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पतालों में नि:शुल्क आँखों की जांच, लोगों को जागरूक करने कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोगों को ग्लॉकोमा के बारे में जागरूक करने प्रदेश में आगामी 6 मार्च से 12 मार्च तक विश्व ग्लॉकोमा सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की आंखों की जांच की जाएगी। चश्मा की जरूरत वाले लोगों को नि:शुल्क चश्मा भी प्रदान किया जाएगा। लोगों को इस बीमारी के बारे में जागरूक करने आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों और सामुदायिक भवनों में संगोष्ठी भी आयोजित की जाएगी।

ग्लॉकोमा यानि कालामोतिया (कांचियाबिंद) आंखों की गंभीर बीमारी है, जो कई बार आंखों की रोशनी भी छिन लेती है। कंप्यूटर, लैपटॉप और मोबाइल पर काम करते समय हमारी आंखों पर बहुत दबाव पड़ता है, पर हम इसे गंभीरता से नहीं लेते। आंखों से संबंधित परेशानियों की अनदेखी और लापरवाही धीरे-धीरे ग्लॉकोमा जैसी गंभीर बीमारी का रूप ले लेती है, जिससे आंखों की रोशनी चली जाती है। यह बीमारी उम्रजनित और अनुवांशिक भी होती है।

क्या है ग्लॉकोमा

आंखों पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव की वजह से यह बीमारी होती है। यह ऐसी बीमारी है जिसमें आंख के अंदर के पानी का दबाव धीरे-धीरे बढ़ जाता है और आंख की नस सूखने लगती है। इससे देखने में परेशानी होने लगती है या दिखना बंद भी हो सकता है। यह स्थिति बहुत खतरनाक है क्योंकि नस सूखने से होने वाली दृष्टिहीनता का कोई इलाज संभव नहीं है।

ग्लॉकोमा के लक्षण

सिर में, खासतौर से शाम को दर्द रहना, दृष्टि का दायरा सिकुड़ना यानि सीधा देखते हुए अगल-बगल की चीजों का दिखाई न पड़ना, पढ़ने के चश्मा का नंबर जल्दी-जल्दी बढ़ना, प्रकाश के इर्द-गिर्द प्रभामंडल दिखना और लाल आंखें ग्लॉकोमा के लक्षण हैं।

प्रारंभिक इलाज से नहीं बढ़ेगी बीमारी

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में संचालक, महामारी नियंत्रण तथा राष्ट्रीय अंधत्व निवारण एवं अल्प दृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा ने बताया कि ग्लॉकोमा से हुए नुकसान की भरपाई नहीं की जा सकती। समय पर जांच और इलाज कराने से अंधेपन से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि उपचार से आँखों का दबाव कम किया जा सकता है। इससे भविष्य में दृष्टि हानि की आशंका को भी रोका जा सकता है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि आंखों में दवा डालना ग्लॉकोमा का सबसे सामान्य आरंभिक इलाज है। अन्य उपचारों में लेजर उपचार या शल्य क्रिया कराना भी शामिल है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस : महिला मड़ई में दिखी छत्तीसगढ़ की सशक्त महिलाओं की झलक

श्रीकंचनपथ न्यूज

अनिला भेंड़िया ने महिला मड़ई का किया शुभारंभ

राजधानी में चार दिवसीय महिला मड़ई का आयोजन 8 मार्च तक

महिला समूहों द्वारा निर्मित सामग्रियों ने महिला नेत्रियों का मन-मोहा

सजावटी सामान, सौदर्य प्रसाधन, कपड़ों, व्यंजन से लेकर हर्बल प्रोडक्ट तक सभी उत्पादों की हो रही बिक्री

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया ने आज राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित बीटीआई ग्राउंड में चार दिवसीय महिला मड़ई का शुभारंभ किया। यहां प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए महिला स्व-सहायता समूहों और महिला उद्यमियों द्वारा निर्मित सामग्रियों की प्रदर्शनी लगाकर बिक्री की जाएगी। मड़ई के शुभारंभ अवसर पर राज्य सभा सांसद द्वय छाया वर्मा, ज्योत्सना महंत, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायगक, धरसींवा विधायक अनिता योगेन्द्र शर्मा और रायपुर की जिला पंचायत अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा भी शामिल हुईं। महिला बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित महिला मड़ई 08 मार्च तक चलेगी।

श्रीमती भेंड़िया ने मड़ई से गोबर से बना झालर,फिनाइल, हर्बल साबुन, मां-बच्चे की पेंटिंग, मोमबत्ती सहित कई सामान खरीदा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई नई राहें तैयार की है। इस मड़ई में छत्तीसगढ़ की महिलाओं के सशक्त होते कदमों और आत्मनिर्भर बनते जीवन की स्पष्ट झलक दिखाई देगी। इसके साथ महिला समूहों और उद्यमियों को प्लेटफॉर्म और नई पहचान मिलेगी।

मड़ई में महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों ने सभी महिला नेत्रियों का मन-मोह लिया। मंत्री श्रीमती भेंड़िया सहित सभी नेत्रियों ने मड़ई से विभिन्न सामानों की खरीददारी की और महिला समूहों द्वारा निर्मित सामानों की सराहना की। सभी ने कोरिया से आई महिला समूह द्वारा निर्मित हल्दी के लड्डुओं, रायगढ़ के अनुभव महिला समूह द्वारा रागी-गुड़ से बनाई जलेबी और मुगेली के महिला समूह द्वारा बनाए पापड़ के चाट का स्वाद चखा और सराहना की। सभी नेत्रियों ने रायपुर के रोशनी दिव्यांग महिला समूह द्वारा बनाए गए रेशम के झुमके भी खरीदे। उन्होंने मड़ई में रहचूली झूले के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आनंद लिया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक दिव्या उमेश मिश्रा सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता 5 श्रेणियों में आयोजित

मेरा वोट मेरा भविष्य- एक वोट की शक्ति

प्रतिभागियों से 15 मार्च तक प्रविष्टियां आमंत्रित

रायपुर। पहली राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के लिए पांच श्रेणियों में प्रविष्टियां 15 मार्च तक आमंत्रित किया गया है। विजेता प्रतिभागी को आकर्षक नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

भारत निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से हर वोट के महत्व को दोहराने के लिए एक राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता- 'मेरा वोट मेरा भविष्य- एक वोट की शक्ति' शुरू की है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के भाग के रूप में प्रतियोगिता की पांच श्रेणियां हैं जिनमें प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, गीत प्रतियोगिता, वीडियो निर्माण प्रतियोगिता और पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिता शामिल हैं।

गीत, वीडियो बनाने और पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिता को तीन श्रेणियों संस्थागत, पेशेवर और शौकिया में वर्गीकृत किया गया है।प्रत्येक श्रेणी में शीर्ष तीन विजेताओं को रोमांचक नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक श्रेणी में एक विशेष उल्लेख श्रेणी के तहत नकद पुरस्कार होंगे। संस्थागत श्रेणी में 4 विशेष उल्लेख होंगे जबकि व्यावसायिक और शौकिया श्रेणी में प्रत्येक में 3 विशेष उल्लेख होंगे।

प्रतिभागी को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए वेबसाइट https://ecisveep.nic.in/contest/ पर विस्तृत दिशा-निर्देश, नियम और शर्तों का पालन करना होगा।प्रतिभागी अपनी प्रविष्टियों को विवरण के साथ voter contest@eci.gov.in या https://voterawarenesscontest.in/ पर ईमेल कर सकते है। जिस प्रतियोगिता और श्रेणी के लिए प्रतिभागी आवेदन कर रहा है उसका नाम ईमेल के विषय में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाएगा। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागी को प्रतियोगिता की वेबसाइट पर पंजीकरण कराना होगा। सभी प्रविष्टियां 15 मार्च, 2022 तक ईमेल आईडी: voter- contest@eci.gov.in पर प्रतिभागियों के विवरण के साथ जमा की जाएंगी।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान

खास खबर

संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' की शूटिंग मार्च में होगी शुरू, 1.75 करोड़ रुपए में बना है सेट

संजय लीला भंसाली अपनी पहली वेब सीरीज 'हीरामंडी' की शूटिंग मार्च में शुरू करने जा रहे हैं। 'हीरामंडी' नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसकी पूरी शूटिंग मुंबई की फिल्म सिटी पर होगी। इसका ग्रैंड सेट तकरीबन 1.75 करोड़ रुपए में बनाया गया है। 'हीरामंडी' संजय लीला भंसाली का ड्रीम प्रोजेक्ट है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संजय की इस सीरीज की कोरियोग्राफी पंडित बिरजू महराज से करवाना चाहते थे। लेकिन उनके निधन होने से संजय अब खुद ही इसकी कोरियोग्राफी करने की प्लानिंग कर रहे हैं। इस पहले संजय ने ऐश्वर्या राय के लिए फिल्म 'गुजारिश' में कोरियोग्राफी की है।

विक्रांत-सारा ने 'गैसलाइट' की शूटिंग आज से गुजरात में की शुरू

विक्रांत मैसी और सारा अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'गैसलाइट' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। अब हाल ही में विक्रांत-सारा दोनों ने फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग गुजरात के राजकोट में शुरू कर दी है। इस फिल्म को पवन कृपलानी डायरेक्ट कर रहे हैं।

अमिताभ बच्चन स्टारर 'झुंड' ने पहले दिन कमाए 1.50 करोड़ रुपए

एक्टर अमिताभ बच्चन स्टारर 'झुंड' एक दिन पहले शुक्रवार (4 मार्च) को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म को फैंस और क्रिटिक्स से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। हालांकि, फिल्म का पहले दिन का बिजनेस उम्मीद से काफी कम रहा है। फिल्म ने ओपनिंग डे पर 1.50 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है। ट्रेड एनालिस्टों को उम्मीद है कि फर्स्ट वीकेंड यानी शनिवार और रविवार को फिल्म के कलेक्शन में बढ़ोतरी होगी। इस फिल्म का डायरेक्शन नागराज मंजुले ने किया है। फिल्म को भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, राज हिरेमथ, सविता राज हिरेमथ, नागराज मंजुले, गार्गी कुलकर्णी और मीनू अरोड़ा ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म को टी-सीरीज, तांडव फिल्म्स एंटरटेनमेंट और अटपट फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया गया है। फिल्म में अमिताभ बच्चन एक स्पोर्ट्स टीचर 'विजय बरसे' के रोल में हैं, जो रिटायर हो चुका है। लेकिन, वे स्लम्स में रहने वाले बच्चों को फुटबॉल सिखाता है।

'काचा बादाम' के गायक भुबन बादायकर फिर बेचेंगे बादाम

'काचा बादाम' गाने से रातों रात स्टार बने भुबन बादायकर फिरसे बादाम बेचेंगे. हाल में भुबन बादायकर ने कहा था कि वह अब बादाम नहीं बचेंगे, लेकिन अब वह अपने बयान के लिए माफी मांगते हुए कहा कि वह फिर से बादाम बेचेंगे. वह अब अपना नया गाना भी लेकर आए हैं, जो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है. भुबन बादायकर का पिछले दिनों ऐक्सिडेंट हो गया था. भुबन ने अपनी नयी कार खरीदी थी और वह कार चलाना सीख रहे थे. उसी समय उनकी दुर्घटना हो गयी थी. अब वह पूरी तरह ठीक हैं . पश्चिम बंगाल के बोलपुर के गोधूली स्टूडियो में नये गाने की रिकार्डिंग हुई है. इसमें वह अपनी दुर्घटना की कहानी बता रहे हैं. हाल में भुबन बादायकर को बीसीसीआई के चेयरमैन सौरभ गांगली के टेलीविजन शो 'दादागिरी' में आमंत्रित किया गया था. इस अवसर पर उन्हें सम्मानित भी किया गया. बता दें कि कुछ दिन पहले भुबन ने कहा था, मैं एक सेलिब्रिटी हूं और मैं अब बादाम नहीं बेचूंगा. लेकिन इस बार उन्होंने माफी मांगी है. उनका दावा है कि उन्हें नहीं पता था कि सेलिब्रिटी के साथ क्या होता है? उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर वह फिर से बेचेंगे. भुबन बादायकर शुक्रवार को बोलपुर के एक रिसॉर्ट में आए थे. इस दिन, एक निजी स्टूडियो द्वारा उनके गीत के कॉपीराइट के लिए उन्हें 1.5 लाख रुपये का चेक सौंपा गया . इससे पहले ट्वाइलाइट स्टूडियो की ओर से उन्हें 1.5 लाख रुपये का चेक सौंपा गया था. अब बाकी राशि का भुगतान किया गया. चेक मिलने के बाद भुबन ने माफी मांगी. कुछ दिन पहले उन्होंने कहा था कि वह एक सेलिब्रिटी बन गए हैं, इसलिए वह अब बादाम नहीं बेचेंगे. उनके इस बयान से सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गयी थी. कई लोगों ने सवाल किया कि क्या कुछ दिनों की अवांछित सफलता ने उन्होंने अपनी जड़ों को भुला दिया है? और आज उन्होंने खुद उस बयान के लिए माफी मांगी. उन्होंने कहा, मैं सेलिब्रिटी का मतलब नहीं समझता था. लोग मुझे यहां ले आए. असुविधा के लिए मैं क्षमा चाहता हूं. 'उन्होंने कहा, मैं निश्चित रूप से फिर से बादाम बेचूंगा. आज सब मेरे साथ हैं, जिस दिन वे चले जाएंगे, मैं फिर बादाम और मेवा बेचूंगा.'

कभी-कभी बुरा भी लगता था कि मैं कोई शूट नहीं कर रही हूं, पैसे नहीं कमा रही हूं, घर पर बैठी हूं : मृणाल ठाकुर

एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर दिनोंदिन अपने करियर को अगले पायदान पर बखूबी ले जा रही हैं। इन दिनों वे अपनी फिल्म 'जर्सी' को लेकर चर्चा में हैं। जबकि उनकी अपकमिंग फिल्म 'पिपा' और 'आंख मिचौली' है। मृणाल ठाकुर ने अपने करियर अपकमिंग प्रोजेक्ट्स और फिल्म जर्सी से जुड़ी कई बातें शेयर की हैं।

आज एक से बढ़कर एक चर्चित फिल्में कर रही हैं, यहां तक पहुंचने का सफर कितना संघर्षपूर्ण रहा?

अब तक की जर्नी बहुत अनोखी रही। बहुत कुछ सीखा, बहुत कुछ खोया, बहुत कुछ पाया। मेरी लास्ट रिलीज फिल्म धमाका रही, उससे भी कुछ खोया, कुछ पाया। सबसे इंपोर्टेंट चीज है कि हर दिन ग्रो करते हैं। नए-नए फिल्म मेकर्स के साथ काम करके कुछ नया सीखने को मिलता है। अपनी लाइफ का यह फेज बहुत एंजॉय कर रही हूं। ब्लेस फील करती हूं, क्योंकि बहुत कम एक्ट्रेस को इतने अच्छे फिल्म मेकर्स के साथ काम करने का मौका मिलता है। खुद को खुशनसीब समझती हूं कि इतनी कम उम्र में राम माधवानी, राकेश ओमप्रकाश मेहरा आदि दिग्गज डायरेक्टर के साथ काम करने का मौका मिला। मैं चाहती हूं कि जर्नी ऐसे ही चलती रहे। अच्छे-अच्छे और नए फिल्म मेकर्स के साथ, अलग-अलग कॉन्सेप्ट पर, अलग-अलग टॉपिक, सोशल या फिर स्लाइस ऑफ लाइफ आदि पर काम कर पाऊं। जिंदगी में लोगों तक कुछ मैसेज पहुंचा पाऊं या इंस्पायर कर पाऊं। खुश हूं कि अब तक मैंने जो भी काम किया है, वह ऑडियंस तक पहुंचा है और उन्हें किसी न किसी तरह रेजोनेट हुआ है। ऑडियंस का बहुत सारा प्यार मिला है, जो कभी एक्सपेक्ट नहीं किया था।

आपने बताया कि इस सफर में कुछ खोया, कुछ पाया, क्या बताएंगी कि क्या खोया और क्या पाया?

मैंने कुछ फिल्में खोई हैं। कभी-कभी लगता था कि दिल-ओ-जान लगा दूं, बहुत मेहनत करूं, लेकिन जो चीज नसीब में नहीं लिखी होती है, वह नहीं मिलती। कुछ फिल्में खोई, लेकिन बाद में रियलाइज किया कि शायद उन चीजों के लिए बनी ही नहीं थी। क्या होता है कि जब आप कुछ खोने लगते हैं, तब सारा फोकस उसके ऊपर होता है। मुझे चाहे शुरुआती बड़ी फिल्में नहीं मिलीं, पर लव सोनिया जैसी छोटी फिल्म से शुरुआत की। इस फिल्म के जरिए ढेर सारी बॉलीवुड फिल्में मिली, तब वह चीज पाई। फिर तो एक चीज से दूसरी और दूसरी से तीसरी चीजें मिलती चली गईं। हां, कुछ स्कूल-कॉलेज दोस्त खोए, क्योंकि फिल्मों और काम में बिजी हो गई। फिलहाल वहीं फिल्म इंडस्ट्री में कुछ नए दोस्त पाए, जिनके साथ काम करके बहुत मजा आया। ये सारी छोटी-छोटी चीजें हैं, जो इस सफर के दौरान खोया-पाया।

जिन्हें खोया, क्या वे स्कूल-कॉलेज के दोस्त हैं?

यह कॉलेज के फ्रेंड हैं, जिनके टच में नहीं थी। लेकिन, अब हम छह-सात साल बाद वापस मिल रहे हैं। मिलकर मजा आ रहा है। कॉलेज के दिन भी बड़े अनोखे थे। अभी मैं

लाइफ बैलेंस करने की कोशिश कर रही हूं। इसमें फिल्में भी कर रही हूं और फैमिली और फ्रेंड के साथ वक्त भी गुजार रही हूं। अपने कॉलेज के दोस्तों से मिल रही हूं और ट्रॉवेल भी कर पा रही हूं। कहते हैं कि जिंदगी सिर्फ अपने सपने और गोल अचीव करने के लिए नहीं होती है, बल्कि किस तरह से जिंदगी चीजों को बैलेंस करके चलते हो, वह मायने रखता है।

आप कई बड़े स्टार के साथ काम कर चुकी हैं, किसी एक फिल्म के साथ जुड़ने या किसी के साथ की अनोखी बात बताएंगी?

मैं जब लव सोनिया कर रही थी, तब डेमी मूरे के साथ काम करने का मौका मिला। डेमी मूरे की फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं। कभी सोचा नहीं था कि उनके साथ स्क्रीन स्पेस शेयर कर पाऊंगी। काफी लोगों को पता ही नहीं है कि लव सोनिया में डेमी मूरे भी थीं। एक हॉलीवुड स्टार के साथ काम करने का वह बहुत अनोखा एक्सप्रीरियंस रहा। सेट पर उनके साथ वक्त बिताना बड़ा यादगार रहा। जिस तरह से वे सेट पर सीन को देखती और परफॉर्म करती हैं, लोगों से बातचीत करती हैं, हम्बल और डाउन टु अर्थ रहती हैं, उन्हें अपने करियर के शुरुआत में इस तरह देखा, तब बहुत कुछ सीखा। मैं उन पलों को कभी नहीं भूल सकती, जब लॉस एंजलिस में डेमी मूर के साथ काम करने का मौका मिला। मैं चाहूंगी कि फ्यूचर में उनके साथ और भी काम करूं, क्योंकि वे गुड एक्टर के साथ बड़ी अच्छी इंसान भी हैं।

आपकी फिल्म जर्सी आने वाली है, यह तेलुगू फिल्म की रीमेक है, क्या आपने वह तेलुगू फिल्म देखी है?

ऑफकोर्स, मैंने वह तेलुगू फिल्म देखी है। वह फिल्म इमोशन के मामले में इतनी बेहतरीन है, उसकी जो रिलेशनशिप इतनी बेहतरीन है, उसे इतने अच्छे से दिखाया गया है, सो उसको देखने के बाद मैंने डिसाइड किया कि इस फिल्म की हिस्सा बनूं। यह स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म जब ऑफर हुई तो उसी दौरान मैं तूफान भी कर रही थी। दिमाग में कहीं न कहीं यह खयाल आ रहा था कि दोनों स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म करूं या नहीं। कहीं रिपिटेटिव न हो जाए। लेकिन इस फिल्म के जरिए मुझे अलग ही शेड्स प्ले करने का मौका मिला है। भले ही तूफान और जर्सी, दोनों ही स्पोर्ट्स बेस्ड फिल्म है। लेकिन सुप्रिया की जर्नी तूफान में अलग है और विद्या की जर्नी जर्सी में काफी अलग है। इतनी अच्छी स्टोरी है कि लोग देखेंगे, तब हर मां-बाप अपने आपको रिलेट कर पाएंगे। मुझे अच्छी स्टोरी का हिस्सा बनना था। जर्सी का ओरिजनल वर्जन फिल्म है, वह मुझे बहुत पसंद आई। मुझे याद है, मैं गोवा में थी। घोस्ट स्टोरी शूट कर रही थी। मुझे यह फिल्म को हां बोलने के लिए 10 से 15 सेकंड लगे। मैंने डायरेक्टर से तुरंत कह दिया कि इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहूंगी।

बॉलीवुड में जैसी भूमिका निभाते हैं, अक्सर वैसे रोल ऑफर होने लगते हैं, आप डिफरेंट कैरेक्टर वाली फिल्में कर ही हैं, यह कैसे संभव हो पाया?

यह बात सही है, क्योंकि कहीं न कहीं फिल्मेकर चाहते हैं कि वे भी सेफ प्ले करें। मुझे लव सोनिया के बाद डेढ़-दो साल तक वैसे ही रोल ऑफर किए जा रहे थे। यकीन मानिए, मैंने डेढ़-दो साल तक कुछ नहीं किया। मैं घर पर थी। मैं चाहती थी कि ऐसा रोल प्ले करूं, जो कभी नहीं किया हो। कभी-कभी बुरा भी लगता था कि मैं कोई शूट नहीं कर रही हूं, पैसे नहीं कमा रही हूं, घर पर बैठी हूं। लेकिन वह कहते हैं कि पेशंस जरूरी होता है, क्योंकि आपका बॉडी ऑफ वर्क होता है, वह डिसाइड करता है। मैं चाहती थी कि ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनूं, जो मेरे लिए ही नहीं, कहीं न कहीं लोगों तक पहुंचे और उन्हें प्रेरित करे। मैं आर्टिस्ट हूं, तब चाहती हूं कि अपने दर्शकों को एंटरटेन कर पाऊं। क्योंकि आप रिपिटेटिव बन जाते हैं, तो वे भी एंजॉय नहीं कर पाते।

फ्रॉड केसः सोनाक्षी सिन्हा के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में वारंट जारी, 25 अप्रैल को कोर्ट में पेश होने के आदेश

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा कानूनी संकट में फंसते नजर आ रही हैं। सोनाक्षी के खिलाफ 4 साल पुराने धोखाधड़ी के मामले में अब उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद की ACJM कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। साथ ही उन्हें 25 अप्रैल को कोर्ट में हाजिर होने के आदेश भी दिए हैं। सोनाक्षी पर आरोप है कि उन्होंने दिल्ली में एक इवेंट में शामिल होने के लिए 37 लाख रुपए लिए थे। लेकिन, पैसा लेने के बाद भी सोनाक्षी इस इवेंट में शामिल नहीं हुईं। इसके बाद उन्होंने इवेंट ऑर्गेनाइजर के पैसे भी वापस नहीं लौटाए थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र के रहने वाले इवेंट के ऑर्गेनाइजर प्रमोद शर्मा ने एक इवेंट का प्लान बनाया था। जिसमें सोनाक्षी को चीफगेस्ट के रूप में इनवाइट किया गया था। हालांकि, 'दबंग' एक्ट्रेस इस इवेंट में शामिल होने में विफल रही थीं। जिसके बाद इवेंट के ऑर्गेनाइजर प्रमोद ने एक्ट्रेस से अपने पैसे वापस मांगे थे। आरोप

लगाया जा रहा है कि सोनाक्षी के मैनेजर ने इवेंट ऑर्गेनाइजर के पैसे देने से इनकार कर दिया है।

सोनाक्षी सिन्हा से कई बार संपर्क करने के बाद भी जब ऑर्गेनाइजर को पैसे नहीं मिले तो उसने फरवरी 2019 में एक्ट्रेस के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। सोनाक्षी कथित तौर पर इस मामले में अपना बयान दर्ज कराने मुरादाबाद आई थीं। लेकिन, उसके बाद लगातार अनुपस्थित रहने के कारण अब कोर्ट ने सोनाक्षी के खिलाफ धोखाधड़ी के इस मामले में गैर जमानती वारंट जारी किया है।

सोनाक्षी सिन्हा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

सोनाक्षी सिन्हा हाल ही में सलमान खान, दिशा पाटनी, पूजा हेगड़े और अन्य के साथ 'द-बैंग' टूर से लौटी हैं। इस बीच वर्क फ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी जल्द ही अपनी अपकमिंग फिल्म 'डबल एक्सएल' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ हुमा कुरैशी भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। इस फिल्म के अलावा सोनाक्षी 'ककुड़ा' में रितेश देशमुख और साकिब सलीम के साथ नजर आने वाली हैं। वे आखिरी बार 'भुज: द प्राइड ऑफइंडिया' में नजर आईं थीं। जिसमें अजय देवगन, शरद केलकर, नोरा फतेही, संजय दत्त भी लीड रोल में थे।

यह गर्व की बात है हर कोई हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गुहार लगा रहा है: हेमा मालिनी

एक्ट्रेस व सांसद हेमा मालिनी की माने तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस तरह से रूस-यूक्रेन जंग के मामले को संभाल रहे हैं, वो दुनिया भर में काबिले तारीफ है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों देशों से बातचीत कर रहे हैं और साथ ही हमारे देश के नागरिकों को वहां से निकालने में भी काफी हद तक कामयाब रहे। हेमा मालिनी की माने तो ये हमारे लिए गर्व की बात है।

मोदी को विश्व का एक बड़ा नेता माना जाता है

दौरान हेमा मालिनी ने कहा, मुझे बहुत खुशी और गर्व है, कि हमारे प्रधानमंत्री इस मामले में इतना रूचि दिखा रहे हैं। वो दुनिया के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने तुरंत इस मुद्दे को गंभीरता से देखा और उस पर अपना रिएक्शन दिया। जिस तरह से उन्होंने उन दोनों देशों में फंसे भारतीय नागरिकों को 'ऑपरेशन गंगा' के जरिए वापस लाया है वो वाकई में काबिले तारीफ है। साथ ही वह संकट को रोकने के लिए हिस्सा ले रहे हैं और यह गर्व की बात है कि हर कोई हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गुहार लगा रहा है। उन्हें विश्व का एक बड़ा नेता माना जाता है।

हमारे दोनों ही देशों से अच्छे रिश्ते हैं

वे आगे कहती है, हमारे प्रधानमंत्री के दोनों ही देशों से अच्छे रिश्ते हैं, ये देखकर अच्छा लगता है कि दूसरे देश के लोग हमारे प्रधानमंत्री से बात कर रहे हैं। उन्हें हमसे उम्मीद है कि हमारे जरिए कुछ रास्ता निकल पाए।

यूक्रेन ने हस्तक्षेप की मांग की

बता दे, भारत में यूक्रेन के राजदूत इगोर पोलिखा ने पीएम मोदी से हस्तक्षेप की मांग की है और कहा कि अगर पीएम मोदी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात करते हैं, तो वे कम से कम इस पर विचार करेंगे। जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुतिन से बात की और हिंसा को तत्काल समाप्त करने की अपील भी की। वहीं पूरी सरकारी मशीनरी चौबीसों घंटे काम कर रही है, ताकि वहां फंसे सभी भारतीय सुरक्षित रहें और जल्द से जल्द उनकी वतन वापसी हो सके।

'ऐश्वर्या राय को हमारी कोई फिक्र नहीं', बच्चन बहू से फैन की शिकायत

ऐश्वर्या राय बच्चन जब सोशल मीडिया पर नही थीं तब उनके फैंस उन्हें ट्विटर, फेसबुक और इंस्टा पर आने के लिए इंसिस्ट करते थे. लेकिन लंबे समय से इंस्टा पर होने के बाद भी एक्ट्रेस अपने फैंस के बीच बेहद कम मौजूदगी दर्ज कराती हैं. ऐसे में ऐश्वर्या के एक फैन ने अपना गुस्सा जाहिर किया है. ऐश्वर्या बाकी सेलेब्स की तरह अपना इंस्टा अपटेड नहीं रखतीं. वह अपनी फैमिली से जुड़ी तस्वीरें स्पेशल ओकेजन पर शेयर कर देती हैं, लेकिन हाल ही में ऐश्वर्या की अपकमिंग फिल्म की अनाउंसमेंट हुई है, जिसके बाद फैंस को उम्मीद थी कि अब ऐश्वर्या कुछ हद तक तो एक्टिव होंगी, लेकिन ऐसा कुछ न हुआ. इसके बाद एक फैन ने ऐश से सोशल मीडिया पर अपनी डिसअपॉइंटमेंट जाहिर की.

ऐश तो इंस्टा देखती नहीं हैं, ऐसे में फैन ने दूसरा रास्ता अपनाया और ऐश्वर्या के पति और एक्टर अभिषेक बच्चन को उनका मैसेज कन्वे करने के लिए कहा. अपने मैसेज में यूजर फैन ने लिखा- 'मुझे ऐश्वर्या से या उनकी टीम से अब कोई होप नहीं है, क्योंकि हममें से किसी की भी कोई भी विश पिछले 10 सालों में पूरी नहीं हुई है. ऐसे में मैं आपसे रिक्वेस्ट करता हूं अभिषेक बच्चन.'

फैन ने आगे लिखा- '10 सालों के बाद अब जाकर ऐश्वर्या ने कोई फिल्म साइन की है, हम हमेशा से चाहते थे कि वह ऐसे ही एक्टिव रहें, सोशल मीडिया पर इंटरएक्ट करें, जैसे हर सेलेब्रिटी इन दिनों करता है. हम समझ सकते हैं कि सोशल मीडिया गेम को वह अपने परिवार से कम महत्व देती हैं, लाइक्स की फिक्र नहीं करतीं हम इस बात की इज्जत भी करते हैं, लेकिन ये उनकी फिल्म है, जिसका हमें 3 सालों से इंतजार था. अभिषेक बच्चन.

विज्ञापन के लिए संपर्क करें :- 9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का मिल रहा लाभ

सुकमा। सुकमा जिला मुख्यालय के मिनी स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ मॉडल प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश कवासी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के शासन में छत्तीसगढ़ हर क्षेत्र में विकास कर रहा है। अधोसंरचना विकास, सड़क विस्तार, शिक्षा, स्वास्थ्य सभी क्षेत्रों में विकास के साथ ही ग्रामीणों तक जनकल्याणकारी योजनाएं पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ मॉडल की चर्चा आज देश भर में है। मुख्यमंत्री बघेल के कुशल नेतृत्व में कोविड काल के भयावह दौर में भी प्रदेश के ग्रामीणों को किसी भी प्रकार के आर्थिक संकट का सामना भी करना पड़ा। इसके साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं से अंदरूनी ग्रामीणों अंचल तक लाभ प्रदाय किया जा रहा है। जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई प्रदर्शनी का अवलोकन कर उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी से ना सिर्फशासन की 3 सालों की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया है बल्कि आम जन को भी अनेकों योजनाओं की जानकारी मिल रही है। उन्होंने जिले के समस्त नागरिकों को इस प्रदर्शनी का लाभ लेने के लिए कहा।

सरकड़ा में तीन दिवसीय नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन

गरियाबंद। ग्राम सरकडा में समस्त गायत्री परिवार एवम ग्राम की महिलाओं द्वारा 101,भव्य जल कलश यात्रा निकाल कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अत्यंत हर्ष के साथ 21वीं सदी के उद्बोधक,वेदमूर्ति,तपोनिष्ठ,युग दृष्टा,युग मनीषी,युग व्यास, युग के विश्वामित्र निष्कलंक प्रज्ञा अवतार युग ऋषि पंडित राम शर्मा आचार्य एवं माता भगवती देवी शर्मा की सूक्ष्म संरक्षण एवं समस्त ग्राम वासियों के विशेष सहयोग से ग्राम सरकड़ में नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में दिनांक 5 से 7 मार्च 2022 को नौकुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन गायत्री परिवार प्रज्ञा मंडल एवम समस्त ग्रामवासी सरकडा द्वारा किया जा रहा है। कुरूद इकाई के अंतर्गत आने वाले इन ग्राम कुरूद, पांडुका, रवेली, गाड़ाघाट,सांकरा,लोहारसी,भेंडर ी,सहसपुर,पंडरी तराई के समस्त आचार्यों एवम इकाई प्रमुख,समस्त गायत्री परिवार द्वारा विशेष सहयोग किया जा रहा है।आज विश्व में कोरोना जैसी महामारी एवम इस विपदा से निवारण हेतु समस्त गायत्री परिवार द्वारा द्वारा जगह जगह यज्ञ हवन, घर घर यज्ञ हवन कीर्तन कर इस महावारी को भगाने लोगो से इस संकट को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है, बजाय सामान्य रूप से साधारण मृत्युभोज कराना गायत्री परिवार के सदस्यो का प्रमुख उद्देश्य रहा है।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए की जाएगी ठोस पहलः राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसूईया उइके आज बस्तर स्थित शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के तीसरा दीक्षांत समारोह में शामिल हुई। राज्यपाल सह कुलाधिपति सुश्री अनुसुईया उइके द्वारा दीक्षांत के गरिमामयी अवसर पर 95 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। साथ ही वर्ष 2019-20 तथा 2020-21 में उत्तीर्ण स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई।

राज्यपाल सुश्री उइके ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पदक प्राप्त करने वालों विद्यार्थियों में लगभग 75 फीसदी बालिकाएं हैं, जो इस बात का सूचक है कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। ये अपनी दक्षता, क्षमता और प्रतिबद्धता से नए भारत की गाथा लिखने को तैयार हैं।

सुश्री उइके ने कहा कि प्रकृति की सुरम्य गोद में बसे बस्तर के विद्यार्थी कोरोना जैसी कठिन परिस्थिति में भी अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहे और अपने अथक परिश्रम एवं साधना से वांछित लक्ष्य को प्राप्त किया।

सुश्री उइके ने कहा कि जनजातीय बाहुल्य अंचल में स्थापित इस विश्वविद्यालय ने दूर दराज के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा का अवसर प्रदान किया। उन्होंने कहा कि अंचल के आदिवासी युवाओं के उच्च शिक्षा के सपने को साकार करने के लिए बस्तर में केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु सभी को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने बस्तर में केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए हर संभव प्रयास किए जाने की बात कही।

राज्यपाल ने युवा विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी यहां की भौगोलिक, आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों को बेहतर ढंग से जानने के साथ ही समाज से सीधे जुड़े हुए हैं। बस्तर से बाहर जाने पर यहां के आदिवासियों की सहज सरल व्यवहार, सुरम्य वातावरण तथा प्रकृति द्वारा इस अंचल को दिए गए सौन्दर्य के उपहार के संबंध में जरुर बताएं। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए समाज को कुछ लौटाने का सुअवसर आ गया है। उन्होंने सभी युवाओं से अपने दायित्वों का निवर्हन करने और देश-प्रदेश की उन्नति में भागीदार बनने की अपील की।

मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. अरुण कुमार सिन्हा ने शिक्षा को निरंतर प्रवाहित होने वाली धारा बताया। उन्होंने औपचारिक शिक्षा के साथ ही अनौपचारिक शिक्षा को व्यक्तित्व निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। कुलपति डॉ शैलेन्द्र कुमार सिंह ने इस अवसर पर शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय में हो रहे विकास के संबंध में जानकारी दी।

इस अवसर पर सांसद श्रीमती फुलोदेवी नेताम, श्री दीपक बैज, बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री लखेश्वर बघेल, संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन, महापौर श्रीमती सफीरा साहू, विश्वविद्यालय के व्याख्यातागण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष छाबड़ा के तत्वाधान मे सेमीनार का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष (केबिनेट मंत्री दर्जा) श्री महेन्द्र छाबड़ा व हफीज खान एवं अनिल जैन आयोग के सदस्य की उपस्थित मे आज शनिवार को विधायक निवास कार्यालय बेमेतरा मे अल्पसंख्यकों के सर्वांगीण विकास व सामाजिक आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास के लिए सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमीनार कार्यक्रम में मंचासिन विधायक बेमेतरा आशीष छाबड़ा, अंतव्यवसायी डायरेक्टर विजय बघेल, बंशी पटेल, सहित मुस्लिम समाज, सिख समाज, जैन समाज, क्रिश्चन समाज के प्रतिनिधि व अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री महेन्द्र छाबड़ा ने अल्पसंख्यक आयोग की गतिविधियों एवं कार्यों के संबंध में प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत सरकार, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन एवं पारसी समुदाय के छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक विकास के प्रयासों को प्रोत्साहित करने तथा शिक्षा के लिए पड़ने वाले आर्थिक भार को कम करने के उद्देश्य से योजनाएं प्रारंभ की गई है।

जिसमें प्री-मैट्रिक, पोस्ट व मेरिट सह साधन आधारित छात्रवृत्ति शामिल है। श्री महेन्द्र छाबड़ा ने बताया कि अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में अधिकाधिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने व कामयाब बनाने के लिए निःशुल्क कोचिंग की सुविधा दिया जाना प्रस्तावित है। साथ ही अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों में तकनीकी दक्षता विकसित करने कम्प्यूटर सेंटर भी स्थापित किए जाएंगे। श्री छाबड़ा ने उपस्थित लोगों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की इसके अलावा जिले में अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ दिलाये जाने के लिए एक दिवसीय कैंप का आयोजन किये जाने की बात कही और कहा कि जो विद्यार्थी ऑनलाइन छात्रवृत्ति फार्म नहीं भर पा रहे है उनके लिए एक दिवसीय कैम्प का आयोजन किये जाने की बात कही।

जिसमें छात्र अपने शैक्षणिक दस्तावेज के साथ उपस्थित हो सकते हैं। शिक्षा विभाग के द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए दी जाने वाले विभिन्न स्कालरशिप योजनाओं का प्रचार प्रसार प्रत्येक स्कूलों में अनिवार्य रूप से करनें को कहा गया। अध्यक्ष श्री महेन्द्र छाबड़ा ने अल्पसंख्यक आयोग की गतिविधियों एवं कार्यों के संबंध मे प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रदेश के प्रत्येक जिलों मे अल्पसंख्यक कन्या छात्रावास का निर्माण कराये जाने की बात कही, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों मे रहने वाले विद्यार्थियों को जिला मुख्यालय मे रहकर पढ़ाई करने मे सुविधा मिल सके। अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति योजना, शैक्षणिक संस्थाओं को मान्यता, अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र देने मार्गदर्शी सिद्धांत एवं प्रक्रिया, समुदाय से संबंधित विद्यार्थियों के लिए विदेश में अध्ययन हेतु शैक्षणिक ऋण पर ब्याज योजना, अल्पसंख्यक महिलाओं के उत्थान के लिए नेतृत्व क्षमता बढ़ाने नई रोशनी योजना, स्वास्थ्य लाभ के लिए मौलाना आजाद सेहत योजना तथा अल्पसंख्यकों के कौशल विकास हेतु सीखो और कमाओ योजना लागू कर अल्पसंख्यकों को आर्थिक सामाजिक और शैक्षणिक रूप से मजबूत करने के लिए योजनाएं संचालित हो रही है, जिसका लाभ समुदाय को मिलेगा। उन्होंने कहा कि आवश्यकता इस बात कि है कि योजनाओं की जानकारी इन वर्गों तक पहुंचाना आवश्यक है।

खेलो इंडिया सेंटर के लिए गरियाबंद का चयन

गरियाबंद। भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा गरियाबंद जिले को खेलो इंडिया सेंटर के लिए चयनित किये जाने से जिले के युवाओं में खुशी की लहर है। महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के सांसद चुन्नीलाल साहू, नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र सोनटेके सहित जिले के तमाम खेल प्रेमियों ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर को बधाई दी है। नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन ने कहा कि भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा खेल के विकास के लिए गरियाबंद जिले का चयन किया जाना जिले के लिए गर्व की बात है। यहाँ के खिलाड़ियों में अद्भुत प्रतिभा है, खेलों इंडिया सेंटर स्थापित होने से युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलेगा।

मॉडल प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

एलईडी स्क्रीन में उभरी सरकार की योजनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

दन्तेवाड़ा। जिले के दंतेश्वरी मंदिर परिसर मेनका डोबरा मैदान में आयोजित जनसंपर्क विभाग के द्वारा राज्य शासन के तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें जिला पंचायत सदस्य सुश्री सुलोचना कर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ श्री आकाश छिकारा के द्वारा लाल फिता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया।

विभाग द्वारा लगाई गई छायाचित्र प्रदर्शनी एवं एलईडी स्क्रीन के माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं का अतिथियों द्वारा अवलोकन किया गया साथ ही आये हुए कलाकारों द्वारा पारम्परिक वेशभूषा में लोक गीत

नृत्य के प्रदर्शन का आयोजन का लुत्फलिया। इस छायाचित्र प्रदर्शनी में जन सशक्तिकरण से आर्थिक विकास, ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर, वनोपज संसाधनों के वैल्यू एडिशन से औद्योगिक विकास, गौधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, श्री धनवंतरी, बिजली बिल हाफ, गोबर खरीदी केन्द्र आदि योजनाओं को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। राज्य सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ मॉडल पर आधारित सात दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन 5 मार्च से 11 मार्च 2022 तक किया जायेगा जिसमें शासन की योजनाओं को छायाचित्र प्रदर्शनी के साथ ही एलईडी स्क्रीन के माध्यम से भी योजनाओं को प्रदर्शित किया जा रहा है। जिले के विपरीत परिस्थितियों में भी शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने शासन-प्रशासन द्वारा गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करते हुए पूरा कर रही है। विगत तीन वर्षो में भी अतिसंवेदनशील क्षेत्र में शासन की योजनाओं को पहुंचाने में शासन प्रशासन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

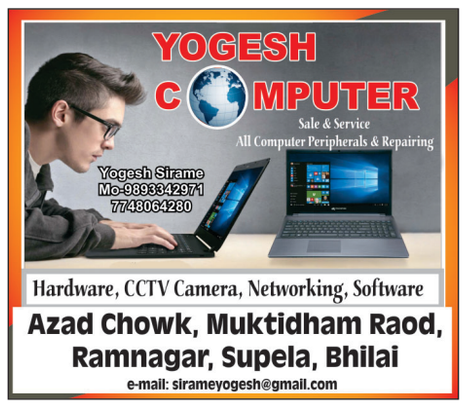

खास-खबर

वैक्सीन के लिए मैटेरियल सप्लाई के नाम पर 95 लाख ठगे

रायपुर (ए)। राजधानी के एक कारोबारी से 95 लाख रुपये की ठगी हो गई है। कारोबारी को एक फर्मा कंपनी ने वैक्सीन बनाने के मटेरियल खरीदने का झांसा दिया। कारोबारी को फर्मा कंपनी ने एक सप्लायर का नंबर दिया, जिससे खरीदकर उन्हें मैटेरियल सप्लाई करना था। कारोबारी झांसे में आ गए। उन्होंने मैटेरियल खरीदने के लिए सप्लायर को 95 लाख रुपये दे दिए, लेकिन उन्हें माल नहीं मिला। फर्मा कंपनी वाले फोन नंबर बंद का गायब हो गए। राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने बताया कि रितेश जायसवाल का आरके एंड सन के नाम से कारोबार है। उनके पास पिछले साल एसीआइसी फार्मास्यूटिकल कंपनी के महिला अधिकारी का फोन आया। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी जानवरों का वैक्सीन बनाती है और वैक्सीन के लिए मैटेरियल चीन से आता है।

चेक में फर्जीवाड़ा कर लाखों हड़पे निजी स्कूल के कर्मियों पर केस

रायपुर (ए)। रायपुर के निजी स्कूल में काम करने वाले दो कर्मचारियों ने चेक में फर्जीवाड़ा कर लाखों रुपये का गबन कर लिया। मामला खुलने के बाद प्राचार्य ने कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है। टिकरापारा थाना में डी. लक्ष्मी राव ने विद्या निकेतन स्कूल के दो कर्मचारी मुन्ना सिंह और अमित कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज करवाया है। डी. लक्ष्मी राव ने पूर्व में अलग-अलग प्रकाशन के नाम से चेक जारी किए थे। इन चेक में रकम बढ़ाकर आरोपितों ने बैंक कर्मियों की मिलीभगत से बड़ी रकम निकलवा लिया। इस तरह दोनों ने मिलकर पांच लाख 92 हजार रुपये की धोखाधड़ी की।

चाची से बात करते देख पड़ोसी ने युवक को डंडे से पीटा

बिलासपुर (ए)। कोटा थाना क्षेत्र में रहने वाला युवक ने अपनी चाची के साथ बात कर रहा था। जिसे देखकर पड़ोसी युवक चुगली करने का आरोप लगाकर गाली-गलौज करते हुए बांस के डंडे से युवक की जमकर मारपीट की। जिससे उसके सिर व कान में चोटे आई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ मारपीट के तहत जुर्म दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना कोटा थाना क्षेत्र की है। बेलगहना पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम करवा के रहने वाले पार्थबली उर्फ पारस बंजारे खेती किसानी का काम करते हैं।

अपने परिवार के साथ रहते हैं। चाकी प्रभारी एसआई वारे ने बताया कि पारस बंजारे अपने घर में चाची के साथ घरेलू बातचीत कर रहा था। इस दौरान उसका चाचा भी पहुंच गए। फिर तीनों आपस में चर्चा कर रहे थे। उसी समय गांव का मुक्कद बंजारे आया और चुगली करने का आरोप लगाते हुए पारस के साथ गाली-गलौज करने लगा। पासर ने गाली देने से मना किया तो मुक्कदर गुस्से में आकर बांस के डंडा से पारस के सिर पर वार कर दिया। जान से मारने की धमकी देने लगा। किसी तरह उसकी चाचा और चाची ने बीच-बचाव किया। इसके बाद आरोपित मुक्कदर वहां से भाग निकला। स्वजनों ने घायल पारस को पुलिस चौकी लेकर गए। वहां पुलिस ने मेडिकल मुलाहिजा कराया। इसके बाद आरोपित के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है।

तीन युवकों ने ग्रामीण पर राड से हमला किया

बिलासपुर (ए)। न्यायधानी के सीपत क्षेत्र में तीन युवकों ने एक युवक को दौड़ा-दौड़कर राड व लाठी से हमला कर रहे थे। जिससे युवक अधमरा हो गया। इस बीच महिला ने बीच-बचाव किया। मारपीट से युवक को गंभीर चोटे आई है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ अपराध दर्ज किया हैं मामला सीपत थाना क्षेत्र का है। सीपत थाना प्रभारी राज कुमार सोरी ने बताया कि ग्राम जांजी के रहने वाली रूखमणी यादव कृषि मजदूरी करती है। बीते चार फरवरी शाम 6 बजे अपने पर में थी। उनके साथ उसकी बेटी आंचल और बहू राजेश्वरी भी थी। तीनों आपस में बातचीत कर रही थी। इसी दौरान 3-4 लड़के महिला के घर के सामने आकर गाली-गलौज करने लगे। आवाज सुनकर महिला घर से बाहर निकली। तब गांव के सौगंध भोई पिता मनोज भोई के साथ चारों लड़के मारपीट कर रहे थे।

शराब पीने से किया मना तो कर दी हत्या

युवक ने अपने बड़े पिता के सिर में जलती हुई लकड़ी से किया वार, मौके पर ही हुई मौत

दंतेवाड़ा (ए)। दंतेवाड़ा जिले में शराब के नशे धुत्त एक युवक ने अपने बड़े पिता की हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि युवक को बड़े पिता शराब पीने से मना किए ,जिससे गुस्साए युवक ने बड़े पिता को जलती हुई लड़की से सिर में मार दिया। जिससे अधेड़ की मौत हो गई है। वारदात को अंजाम देने के बाद युवक मौके से फरार हो गया है। मामला जिले के बारसूर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, जिले के मंगनार गांव का रहने वाला युवक रयतु राम आदतन शराबी था। अक्सर दारू पीकर घर में अपने परिवार के सदस्यों से आए दिन विवाद करता रहता था। युवक के बड़े पिता सदर राम शारब पीने से मना करते थे। शनिवार को भी इसी बात को लेकर दोनों के बीच काफी विवाद हो गया। इतने में गुस्साए युवक ने चूल्हे से जलती हुई लकड़ी निकाल कर अधेड़ के सिर पर वार कर दिया।

जिससे अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद युवक गांव से फरार हो गया। हत्या की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं मर्ग कायम कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया है। आरोपी युवक की तलाश जारी है।

छत्तीसगढ़ के तीन फर्जी डाक्टरों के लाइसेंस निरस्त

रायपुर (ए)। बीएएमएस की फर्जी डिग्री बनाकर वर्षों से प्रैक्टिस करने वाले फर्जी डाक्टरों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। छत्तीसगढ़ आयुर्वेद बोर्ड ने ग्राम हनौदा दुर्ग निवासी गोविंद राम चंद्राकर, ग्राम पंडरिया जिला राजनांदगांव निवासी अजय कुमार जंघेल, ग्राम हिर्री सारंगढ़ जिला रायगढ़ निवासी खगेश्वर वारे के लाइसेंस रद् कर दिए हैं। वहीं आरोपितों को जल्द जेल भेजने की तैयारी है।

मुजफ्फरपुर पटना से ली थी डिग्री

विभागीय जानकारी के अनुसार तीनों आरोपितों ने बाबा साहब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, पटना (बिहार) की जाली डिग्री बना ली। इसके सहारे कूटरचना कर पंजीयन कराने के बाद अपने-अपने क्षेत्र में प्रैक्टिस करते रहे। इस बीच मरीजों द्वारा इलाज में लापरवाही की शिकायत प्रशासन से लेकर बोर्ड को मिलती रही। मामले में उच्च स्तरीय जांच की गई।

पुलिस को कार्रवाई के लिए कहा गया

इसमें आयुर्वेद बोर्ड की सुनवाई समिति ने जालसाजों के लाइसेंस अधिनियम, 1970 के धारा 19(1)(घ) व धारा 29(1)(ग) (कूटरचना कर फर्जी डिग्री बनाने के दोषी) पाए जाने पर कार्रवाई की और सारे दस्तावेज रद कर दिए। वहीं पुलिस को भी कानूनी कार्रवाई के लिए कहा गया।

युवती को बंधक बनाकर ढाई महीने तक किया दुष्कर्म

भिलाई (ए)। एक युवती को रास्ते से उठाकर उसे बंधक बनाकर उससे दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। आरोपित ने ढाई महीने तक पीड़िता को अपने घर पर बंधक बनाकर रखा और उससे दुष्कर्म किया।

पीड़िता दो दिन पहले वहां से किसी तरह से भागकर निकली और अपने घर पहुंची। इसके बाद उसने दुर्ग कोतवाली थाना में जाकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ अपहरण, बंधक बनाने, दुष्कर्म और धमकाने की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

पुलिस ने बताया कि दुर्ग निवासी 19 वर्षीय पीड़िता बीते 12 दिसंबर से लापता थी। उसके परिवार वालों ने दुर्ग कोतवाली थाना में गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। इसके बाद वो गुरुवार को अचानक अपने घर पहुंची।

उसने अपने परिवार वालों को बताया कि हाउसिंग बोर्ड जामुल निवासी आरोपित विजय मेनन ने उसे अगवा कर लिया था और अपने घर ले गया था। वहां पर उसने उसे बंधक बनाकर रखा और धमकाकर दुष्कर्म किया। किसी तरह से वो वहां से भागकर निकली है। पुलिस ने बताया कि आरोपित और पीड़िता के बीच पहले से जान पहचान भी थी। लेकिन, पीड़िता, आरोपित से बात नहीं करती थी। अभी तक आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। उसकी तलाश की जा रही है।

चलती ट्रेन में दरवाजा से बाहर झांक रहा था यात्री, सिर खंभे से टकराया, मौत

बिलासपुर (ए)। चलती ट्रेन में दरवाजा के पास खड़े होकर यात्री बाहर झांक रहा था। उसका सिर बिजली पोल से टकरा गया, जिससे युवक ट्रेन के बाहर गिर गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बेलगहना के खोंगसरा-लुतुप के पास की घटना है। बेलगहना पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। बेलगहना पुलिस चौक प्रभारी अजय वारे ने बताया कि शनिवार को सुबह बिलासपुर-कटनी लोकल ट्रेन अनूपपुर जा रही थी। ट्रेन में अनूपपुर के निगवानी बस्ती के रहने वाले कमलेश कुमार पाव पिता मल्ली पाव (26) सवार था।

सुबह 7:30 बजे ट्रेन बेलगहना के खोंगसरा-लुतुप के पास पहुंची थी। यात्री कमलेश दरवाजे के पास खड़ा था। इसी दौरान वह दरवाजा के राड को पकड़कर बाहर झांक रहा था। इस बीच उसका सिर बिजली पोल से जा टकराया। इससे वे चलती ट्रेन से नीचे गिर गई और घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही स्टेशन मास्टर ने बेलगहना पुलिस को जानकारी दी। पुलिस की टीम जांच करने घटना स्थल पहुंची। मृतक की जेब में दो आधार कार्ड मिले है।

आटो चालकों ने यात्री को जमकर पीटा और कूचलने का प्रयास किया

बिलासपुर (ए)। आटो चालकों ने लेनदेन की बात को लेकर एक यात्री की जमकर पिटाई कर दी। आरोपितों ने जान से मारने की धमकी देते हुए यात्री को आटो से कूचलने का प्रयास किया। लेकिन किसी तरह यात्री ने अपनी जान बचाकर वहां से भाग निकला। तोरवा थाना में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर लिया है। मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है। ग्राम बरदुली के जैजेपुर जांजगीर चापा के रहने वाले नीशु संध्या वर्तमान में विनोबा नगर एल 10 गली में किराया में अमन जुनेजा के मकान में रहते हैं। वह श्योर जिंदगी फायनेंस कंपनी बिलासपुर में सुपरवाइजर के पद पर पदस्थ है। बीते तीन फरवरी की रात की रात 8 बजे वह बराद्वार से बिलासपुर ट्रेन से आया। पुलिस चौकी तोरवा के पास विपरित दिशा से आटो चालक को आवाज लगाई। एक आटो वाला ने उसे दूसरा आटो वाला के पास लेकर गया। उस आटो मे 2186 नंबर लिखा था। आटो चालक ने युवक से पूछताछ किया। तब युवक ने विनोबा नगर जाने की बात की और शुल्क के बारे में पूछा। आटो वाला ने 50 रूपये बोला। तब युवक ने उसे 20 रुपये देने की बात कही। यह बात सुनकर आटो वाला अचानक गुस्से में आ गया और गाली-गलौज करते हुए तु बड़ा हीरो बन रहा है कहते हुए अपने साथी गोलू नामक युवक के साथ मिलकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर दोनों युवकों ने मिलकर हाथ मुक्का से पीड़ित के साथ मारपीट की।

कूरियर कंपनी ने लिंक भेजकर शिक्षिका के खाते से उड़ाए दो लाख 60 हजार

रायपुर (ए)। राजधानी शिक्षिका से ठगी का मामला सामने आया है। कोरियर सर्विस के नाम पर लाखों की ठगी की गई है। शिक्षिका की रिपोर्ट पर पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डीडी नगर थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एन कविता देव ने धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गूगल पर सर्च किया था कोरियर कंपनी का नंबर

जानकारी के अनुसार कविता देव ने बैंक से लोन लेकर पाटन में खेती का काम शुरू किया था। वह अपने माल की सप्लाई करने के लिए गूगल पर रायपुर कोरियर सर्विस का नंबर सर्च किया था। गूगल में मिले नंबर पर कविता देव ने माल सप्लाई के बारे में बात की। कोरियर सर्विस देने वाले ने महिला को भरोसे में लिया और ऑनलाइन फार्म

भरने के लिए एक लिंक भेजा। जिसको खोलने पर महिला ने उसमें अपना नाम और अकाउंट नंबर डाला। अकाउंट नंबर डालने के बाद महिला के खाते से पहले 25-25 रुपये हजार कटे। महिला ने जब पैसे कटने की बात कोरियर सर्विस वाले से की तो उसने कहा पैसे वापस हो जाएंगे। गलती से कट गए। इसके बाद दो लाख 60 हजार रुपये महिला के खाते से एक-एक करके कट गए लेकिन पैसे वापस नहीं हुए। महिला को जब धोखाधड़ी का अंदेशा हुआ तो उन्होंने जाकर थाने में और साइबर सेल में शिकायत दर्ज की।

पढ़े लिखे लोग हो रहे ज्यादा साइबर ठगी के शिकार

राजधानी में पुलिस लोगों को जागरूक करने के लिए समय-समय पर साइबर ठगी से बचने के लिए जागरुकता अभियान चलाती है। जिससे लोगों की गाढ़ी कमाई के साथ जालसाजी न हो सके। मोबाइल नंबर सेलेक्ट होने की जानकारी देकर कार या उसके एवज में रुपये देने की बातों में उलझाकर, केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर जालसाज ठगी को अंजाम दे रहे हैं। साइबर सेल प्रभारी गिरीश तिवारी का कहना है कि आनलाइन ठगी से बचने के लिए जागरूकता जरूरी है। ठगी की घटना होने पर पुलिस से शिकायत दर्ज कराने पर पैसे वापसी की संभावना रहती है।

खास - खबर

लोगों/मोनों की डिजाइन भेजने के लिए केवल 5 दिन का समय शेष, 10 मार्च है अंतिम तिथि ले सकते हैं भाग

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के नए लोगो/मोनो के सृजन के लिए निगम ने डिजाइन तैयार कर मेल आईडी nigambhilaiw®ww@gmail.com पर प्रेषित करने तथा विजेता को स्पॉन्सर के माध्यम से 51000 पुरस्कार राशि देने प्रतियोगिता का आयोजन किया है। महापौर नीरज पाल एवं गठित कमेटी के सदस्यों ने नए लोगो/मोनो के सृजन की महत्ता को देखते हुए इसके लिए नियम शर्तें तैयार करवाई है और नागरिक सहभागिता को उन्होंने महत्व दिया है। डिजाइन भेजने के लिए पहले फरवरी के अंतिम माह तक की तिथि तय की गई थी परंतु अब कॉम्पिटिशन को देखते हुए अंतिम तिथि 10 मार्च कर दी गई है। अंतिम तिथि 10 मार्च तक डिजाइन निगम के निर्धारित मेल आईडी पर भेज सकते हैं। 51 हजार पुरस्कार राशि जीतने का मौका मिल रहा है। वहीं निगम को एक नया लोगो/मोनो एक नए संदेश के साथ भिलाई को खुद का अपना लोगो/मोनो मिल जाएगा। अब तक 100 से अधिक डिजाइन मेल आईडी पर प्राप्त हो चुके हैं।

विधायक वोरा एवं महापौर ने किया शिशु संरक्षण माह का शुंभारभ

दुर्ग। जिला चिकित्सालय दुर्ग में विधायक अरूण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ किया गया। शिशु संरक्षण माह विटामिन-ए अनुपूरक कार्यक्रम जिले में 04 मार्च 2022 से 08 अप्रेल 2022 तक आयोजित किया जाएगा। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या वास्तव ने बताया शिशु संरक्षण माह अभियान के तहत जिले में 09 माह से 05 वर्ष के बच्चे ब्लाक धमधा से 25312, ब्लाक पाटन से 31023 ब्लाक, निकुम से 21693, शहरी दुर्ग से 25609 ,शहरी भिलाई से 59554 जिले में कुल 09 माह से 05 वर्ष के 169946 बच्चों को विटामिन सिरप पिलाए जाने का लक्ष्य रखा गया है एवं जिले के ब्लाक धमधा से 06 माह से 05 वर्ष 26801, ब्लाक पाटन 32848 ब्लाक निकुम 22969, शहरी दुर्ग 27115 ,शहरी भिलाई 63058 जिले में कुल 06 माह से 05 वर्ष के 179946 बच्चों को आयरन सिरप पिलाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.पी. मेश्राम, सिविल सर्जन डॉ. आर. के. देवांगन, डी.एच.ओ. डॉ. सतीश मेश्राम, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या वास्तव, जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ. सुगम सावंत, आई.डी.एस.पी. नोडल डॉ. आर. के. खण्डेलवाल जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे, शिशुरोग विशेषज्ञ आर. के. मल्होत्रा, डॉ. हेमन्त साहू डी.पी.एम. पदमाकर सिन्दे, डॉ. रश्मि भोसले, संजीव दुबे सी.पी.एम दुर्ग, अरुण पवार अस्पताल सलाहकार जनप्रतिनिधि दिलीप ठाकुर, एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। विटामिन-ए से बच्चों में रतौंधी, आयरन सिरप से एनीमिया, कुपोषण आदि से बचाव किया जा सके । सत्र स्थल पर सभी का वजन लिया जाएगा। जिससे बच्चों के पोषण स्तर की जाँच कर कुपोषित बच्चों को उम्र के आधार पर आहार सलाह तथा संपूरक आहार सेवाओं की जानकारी, अति गंभीर कुपोषित बच्चों को पुर्नवास केंद्रो में उपचार हेतु भर्ती किया जाना शामिल है। साथ ही नियमित टीकाकरण, गर्भवती महिलों की जाँच एवं अन्य सेवाएं भी दी जाएगी। सत्र आयोजन का समय सुबह 9:00 से 4:00 बजे के बीच शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित जाएगा। अपने क्षेत्र में 0-5 वर्ष के बच्चो एवं गर्भवती महिलों को समीप के आगंनबाडी केन्द्रो में ले जाकर विटामिन ए, आयरन सिरप पिलावें।

पेयजल के समाधान के लिए फील्ड पर खुद उतरे महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त प्रकाश सर्वे

कई इलाकों में पानी की समस्या से मिलेगी निजात, मिलेगी राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर ने बैठक लेकर जल विभाग के आला अधिकारियों को ग्रीष्म ऋतु में पेयजल की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए थे। इसके लिए एजेंसी इंडियन ह्यूमन पाइप तथा अन्य कार्यरत एजेंसी एवं निगम के कर्मचारियों की संयुक्त टीम गठित करके जिन क्षेत्रों में पानी की समस्या है उन क्षेत्रों में सर्वे कर इसके आधार पर पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे।

निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने दूसरे दिन ही टीम का गठन कर दिया था। जल प्रभावित इलाकों में सर्वे का काम टीम के द्वारा किया जा रहा है। जिसका सुखद परिणाम भी देखने को मिल रहा है। महापौर नीरज पाल और निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे अलग-अलग क्षेत्रों में पेयजल की व्यवस्था को लेकर स्वयं मैदान पर है। ग्रीष्म ऋतु बिल्कुल नजदीक है जिसको देखते हुए पानी की समस्याओं का समाधान युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। महापौर नीरज पाल अचानक खुर्सीपार क्षेत्र के कई इलाकों में पहुंचे।

उन्होंने सर्वे के मुताबिक क्षेत्रों का निरीक्षण अधिकारियों के साथ किया। जवाहर स्कूल गुरुद्वारा के पास पुराना वार्ड क्रमांक 32 में पानी का प्रेशर आगे नहीं बढ़ने की समस्या उत्पन्न हो रही है, पाइपलाइन से पानी का प्रेशर आगे की ओर क्यों नहीं बढ़ रहा है इसके लिए महापौर के निर्देश पर निगम का पूरा अमला विगत कई दिनों से कार्य कर रहा है और शीघ्र ही इसका समाधान हो पाएगा। महापौर ने शीघ्र अति शीघ्र समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए हैं। इधर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने नंदनी रोड में हो रहे इंटरकनेक्शन के कार्य की जानकारी ली। कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा ने बताया कि इंटरकनेक्शन का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। जिन इलाकों में पानी नहीं आने की समस्या थी वह समस्या अब इंटरकनेक्शन होने के साथ ही समाप्त हो जाएगी। इंटरकनेक्शन करने के बाद एक दफा जिन इलाकों में पानी नहीं जाता था उन इलाकों की टेस्टिंग की गई है। लंबे अरसे से शर्मा कॉलोनी, विवेकानंद नगर, बंगाली मोहल्ला, सतनाम मोहल्ला, खजूर लाइन का कुछ क्षेत्र और मिलन चौक के समीप का क्षेत्र पानी की समस्याओं से जूझ रहा था। टेस्टिंग की प्रक्रिया के बाद इन क्षेत्रों में पानी पहुंचने लगा है। 77 एमएलडी फिल्टर प्लांट से मेन राइजिंग पाइप लाइन छावनी की ओर गई हुई है इस मुख्य पाइप लाइन से संतोषी पारा के क्षेत्र के लिए इंटरकनेक्शन किया गया है। संतोषी पारा के कई इलाकों में पाइप लाइन भी बिछाई जा चुकी है, जिससे पानी की समस्या का समाधान हो सके। उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल लगातार पेयजल की समस्याओं का समाधान करने के लिए अधिकारियों के साथ बैठक लेकर कार्य योजना तैयार कर इस अनुरूप फील्ड पर कार्य हो रहा है या नहीं इसका निरीक्षण कर रहे हैं। महापौर के मॉनिटरिंग से फील्ड पर काम हो रहा है और इसका सुखद परिणाम भी मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान जोन अध्यक्ष भूपेंद्र यादव, जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, कार्यपालन अभियंता संजय बागड़े, सहायक अभियंता अखिलेश चंद्राकर, उप अभियंता कृष्णा जंघेल, श्याम एवं वेंकट इत्यादि उपस्थित थे।

दुकान के बाहर गंदगी फैलाने पर सख्ती, निगम ने 10 लोगों से 3900 रुपए वसूला जुर्माना

सड़क पर बिल्डिंग मटेरियल रखना पड़ा महँगा निगम ने लगाया 1000 रुपये का जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर में इधर उधर गंदगी फैलाने वालों पर दुर्ग नगर निगम ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी गई है। शुक्रवार को शहर को साफ सुथरा रखने के लिए निगम ने ठोस कचरा प्रबंधन नियम के तहत कार्रवाई की। स्वच्छ्ता सर्वेक्षण 2022 के तहत स्वच्छ दुर्ग सुंदर हो आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देश पर अतिक्रमण प्रभारी दुर्गेश गुप्ता, बाजार विभाग के प्रभारी थानसिंह यादव, सहायक बाजार प्रभारी ईश्वर वर्मा,भुवान साहू,शशिकांत यादव ने भ्रमण किया।जहां दुकान के बाहर गंदगी फैलाने वालों 10 लोगों से राजपूत होटल 500 रुपये, बॉबी जाटव 100 रुपये, नाश्ता सेंटर 500 रुपये एवं ओमप्रकाश चाय ठेला 100 रुपये,संजय साहू 500 रुपये, देवांगन ऑटो 500 रुपये, बब्बू 500 रुपये,विनोद सेन 100 रुपये, विशाल 100 रुपये, गुनीचन्द भवन मटेरियल सड़क पर रखने पर 1000 रुपये का तत्काल जुर्माना वसूला गया। कुल 3900 जुर्माना राशि वसूला गया। जिन्होंने दुकान के आसपास गंदगी फैला रखी थी,जुर्माना की कार्रवाही करते समय टीम ने दुकानदारो को चेतावनी दोबरा दुकान के सामने गन्दगी पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी ध्यान रहें।

निगमायुक्त हरेश मंडावी ने शहर के सभी नागरिकों एव दुकानदारो से अनुरोध किया कि यह शहर की सफ़ाई व्यवस्था में योगदान दें शहर आपका अपना है इसे स्वच्छ और सुंदर बनाए।

वार्ड के सभी छुटे हुए हर वर्ग के लोगों का बनवाएं राशन कार्डः आयुक्त

पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग आय का किया जा रहा है लगातर घर घर सर्वेक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासन के आदेशनुसार एवं आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देश पर शहर सीमा क्षेत्रअंतर्गत छूटे हुए लोगों को राशन कार्ड एपीएल एवं बीपीएल परिवारों का राशन कार्ड बनाया जा रहा है।वार्डो में शिविर का पुन:आयोजन किया गया है हितग्राही इसका लाभ उठा रहे है। जिसमें छूटे हुए लोगों को राशन कार्ड बनवाने एवं पेंडिंग राशन कार्ड का निराकरण कराने के लिए हितग्राही आवदेन लेकर शिविर में पहुँच रहे है।

ओबीसी सर्वे में छूटे लोग का भी शिविर में आवेदन स्वीकार किए जा रहे है।आयुक्त हरेश मंडावी ने अपील की है कि हितग्राही अधिक से अधिक संख्या में राशन कार्ड शिविर में पहुँचकर शिविर का लाभ अवश्य उठावे।आवेदनों की नियमित समीक्षा के तहत भौतिक सत्यापन एवं पात्रता की जांच कर आगामी कार्यवाही की जाएगी। राशन कार्ड बनाने के लिए तथा लंबित आवेदन का शीघ्र निराकरण करने के साथ ही शिविर में नया एपीएल व बीपीएल राशनकार्ड बनवाने शिविर में लोग पहुँच रहे हैं।आज राशन कार्ड शिविर में एपीएल, 8 एवँ बीपीएल 7,अन्त्योदय 3 ,नि:शक्त -0 टोटल 18 आवेदन प्राप्त हुए है। अब तक दिनांक 18 फरवरी से दिनांक 5 मार्च 22 तक कुल आवेदन 734 प्राप्त हुए है।

बीएसपी में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का समारोह का आयोजन

सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध विभाग व कार्मिक हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियाँत्रिकी विभाग द्वारा मानव संसाधन विकास विभाग के सभागार में 4 मार्च, 2022 को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का आयोजन किया गया। समारोह में छत्तीसगढ़ शासन के उप निदेषक (औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा) श्री के के द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की।

इस आयोजन में विभिन्न सुरक्षा अधिकारी व वरिष्ठ अधिकारीगण डिजिटल भी जुड़े हुए थे। इस वर्ष की थीम है, सुरक्षा संस्कृति के विकास हेतु युवाओं को प्रोत्साहित करें। कार्यक्रम के प्रारंभ में कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निषमन सेवाएँ) जी पी सिंह ने स्वागत उद्बोधन के साथ-साथ संयंत्र में जारी सुरक्षा गतिविधियों का प्रतिवेदन विस्तार से प्रस्तुत करते हुए सुरक्षा के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला और उन्होंने भिलाई बिरादरी से एक्सीडेंट फ्री स्टील बनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि उप निदेषक (औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा)

श्री के के द्विवेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज भिलाई इस्पात संयंत्र, प्रोडक्षन और क्वालिटी के क्षेत्र में अग्रणी है। उसे सुरक्षा के क्षेत्र में भी अग्रणी बनना होगा। हम सबको मिलकर एक सुरक्षित वातावरण का निर्माण करना होगा। इस हेतु हमें बेहतर हाउसकीपिंग, मषीनों का समयबद्ध अनुरक्षण, एसओपी और एसएमपी का कड़ाई से अनुपालन सुनिष्चित करना होगा। सुरक्षा में अनुषासन की महत्वपूर्ण भूमिका है। अत: अनुषासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। क्वालिटी स्टील के साथ-साथ हमें दुर्घटना रहित स्टील निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। रिस्क एनालिसिस करें और खतरों की पहचान कर उसे दूर करने के उपाय करें। स्वयं सुरक्षित रहें और आसपास के लोगों के सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

कार्यक्रम के विषिष्ट अतिथि कार्यपालक निदेषक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ एस के इस्सर ने कहा कि सुरक्षा के लिए आवष्यक है कि हम सिस्टम को बाईपास न करें। जो सेफ्टी के सिस्टम बनाये गये है उसका अनुपालन करने के साथ ही सुरक्षा के नियमों का पालन करें। इससे मानव और मषीन, दोनों की ही सुरक्षा संभव है। सुरक्षा में सभी को योगदान देना चाहिए। कार्यपालक निदेषक (कार्मिक एवं प्रषासन) के के सिंह ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि दुर्घटना रहित उत्पादन हमारी पहली प्राथमिकता है। सुरक्षा हम सब की जिम्मेदारी है इसलिये इसमें सभी का योगदान अपेक्षित है। व्यवहार आधारित सुरक्षा पर विषेष रूप से फेकस करे। साथ ही दुर्घटना के मूल कारणों का विष्लेषण कर उसे दूर करने तथा उसके पुनरावृत्ति रोकने के प्रयास करने होंगे। समारोह में कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) श्री अंजनी कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें समय के साथ सुरक्षा के प्रति हमारा नज़रिया में बदलाव लाना होगा। शॉर्टकट तरीके से काम करने से बचें और एसओपी और जीरो टॉलरेंस नियम का पालन करें।

रूंगटा डेंटल कॉलेज में दंत चिकित्सा का डिजिटल एवं आधुनिकीकरण शहर के नागरिकों मिलेगा लाभ

महापौर नीरज पाल ने किया सीबीसीटी मशीन का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर के रूंगटा डेंटल कॉलेज में दंत चिकित्सा के क्षेत्र में आधुनिकीकरण के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए सीबीसीटी मशीन का उदघाटन किया गया। छत्तीसगढ़ में सीबीसीटी मशीन स्थापित करने वाला पहला डेंटल कॉलेज बना और ये उपलब्धि हासिल की। दंत चिकित्सा के क्षेत्र बेहद कारगार साबित होने वाले सीबीसीटी मशीन का आज भिलाई निगम के महापौर श्री नीरज पाल कॉलेज प्रबंधकों की उपस्थिति में फीता काटकर मशीन को शुभारंभ कर चिकित्सक और दंत चिकित्सा के विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

कुरूद रोड स्थित संजय रूंगटा कॉलेज में डेंटल

विभाग में दंत चिकित्सा के आधुनिकीकरण विषय पर राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन तथा दंत चिकित्सा के लिए आधुनिक मशीन का शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर नीरज पाल रहे उन्होंने सीबीसीटी मशीन और सेमीनार का शुभारंभ किया और दंत चिकित्सकों की टीम तथा विद्यार्थियों को शुभकानाएं दी और अच्छा डेंटल डॉक्टर बनकर अपना, समाज और शहर का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किए। महापौर नीरज ने आगामी समय में रुंगटा कॉलेज के साथ शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र भिलाई के प्रयासरत रहेंगे।

इस दौरान उन्होंने डेंटल के विद्यार्थियों से रूबरू होते हुए उनके कई सवाल के जवाब दिए। कार्यक्रम में रूंगटा कॉलेज के चेयरमेन संजय रूंगटा, डायरेक्टर साकेत रूंगटा, कॉलेज के डीन कार्तिककृष्ण, वाईस डीन डॉ. दीपक, डेंटल विभागाध्यक्ष डॉ. गणपति, निगम से प्रभारी सहायक अभियंता एवं महापौर के निज सचिव वसीम खान सहित बड़ी संख्या में कॉलेज के प्रोफेसर एवं डेंटल के विद्यार्थी उपस्थित थे।

बुजुर्ग का बड़ा दिल, भीख मांगकर जोड़ा हुआ पैसा जरूरतमंदों को कर दिया दान

दुर्ग। अपनी कमाई का कुछ हिस्सा दान करने वाले लोगों की इस दुनिया में कमी नहीं है, लेकिन दुर्ग के एक बुजुर्ग के बारे में क्या कहेंगे, जो भीख मांगने से मिलने वाले पैसों को पिछले कई दिनों से इकठ्ठा करके जिस संस्था का नि:शुल्क भोजन वह विगत 1 वर्ष से खा रहा था उस संस्था को आज रात्रि भोजन सेवा में आकर दान कर दिया।

विगत 5 वर्षों से प्रतिदिन लगभग 100 से अधिक जरूरतमंदों को निशुल्क भोजन वितरण करने वाली जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग जोकि प्रतिदिन दुर्ग रेलवे स्टेशन एवं शहर के अन्य स्थानों में जाकर फुटपात में रहने वाले हर जरूरतमंदों तक निशुल्क भोजन एवं जरूरत की सामग्री वितरण कर रही है। योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि प्रतिदिन की तरह कल दिनाँक 3 मार्च को संस्था के सभी सदस्य जरूरतमंदों को भोजन खिलाने दुर्ग स्टेशन पहुँचे में पहुँचे जहाँ जरूरतमंद विकलाँग, बुजुर्ग एवं महिला भोजन के इंतजार में बैठे हुए थे।

सरसों उगा भी रहे, प्रोसेसिंग कर सरसों तेल भी बेच रहे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। इतिहासकार विलियम डेलरिंपल के रिसर्च के मुताबिक जब ईस्ट इंडिया कंपनी बनी तब ब्रिटेन का विश्व के जीडीपी में योगदान 1.8 प्रतिशत था जबकि भारत का योगदान विश्व के जीडीपी में 22.5 प्रतिशत था। अंग्रेजों ने भारत को एक उत्पादक देश के बजाय केवल कच्चे माल का उत्पादक बनाकर छोड़ दिया और जब देश आजाद हुआ तब विश्व जीडीपी में भागीदारी मात्र .4 प्रतिशत रह गई। गांधी जी ने इसी आर्थिक माडल को ध्यान में रखकर सुराजी आत्मनिर्भर गांवों की कल्पना की जो उत्पादन भी करें और प्रोसेसिंग भी करें। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार इसी दिशा में काम कर रही है। उत्पादन के साथ इसके प्रसंस्करण को भी ध्यान दिया जा रहा है ताकि मूल्यवर्धन हो सके।

गौठान सुराजी गांवों के माध्यम बन गये हैं। छोटा सा उदाहरण कोनारी गांव का है जहां एक छोटी सी पहल ने बड़ा बदलाव किया है। यहां झुनिया साहू का परिवार हर साल अपने खेत में एक एकड़ में सरसों लगाता है। जो भी उत्पादन होता है वो बाजार में बेच देते हैं। बाजार में खुदरा सरसों 90 रुपए प्रति किलोग्राम का बिकता है। दुकानदार इससे भी कम कीमत में सरसों लेते हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गौठानों में सरसों की पेराई, नीम और करंज का तेल आदि निकालने जैसे नवाचार करने के निर्देश दिये थे। इस तर्ज पर डीएमएफके माध्यम से जिला प्रशासन ने सरसों पेराई की मशीन उपलब्ध कराई।

इससे कमाल हुआ। सरसों की पेराई के बाद इसका बाजार भाव दो सौ रुपए हो गया और यह आसानी से बिक जाता है। झुनिया साहू देवी स्वसहायता समूह चलाती हैं। उन्होंने बताया कि इस साल तो पहले के सरसों के स्टाक की ही पेराई की है। अब नया उत्पादन जो होगा उसकी पेराई करेंगे। झुनिया ने बताया कि गांव में ही काफी डिमांड है। बुजुर्ग लोग सरसों के तेल को स्वास्थ्यवर्धक भी मानते हैं और यहीं पर ही यह बिक जाता है। एडीईओ रुचि टिकरिया ने बताया कि ये लोग सरसों की खली को भी बेच रहे हैं जो पशु आहार के काम आता है। इस तरह मूल्यवर्धन से काफी लाभ समूह को पहुंचा है।

3059 हेक्टर में है अभी सरसों का रकबा- राज्य सरकार की योजनाओं से सरसों उत्पादन को बढ़ावा मिलने की बड़ी संभावनाएं पैदा हुई हैं। राजीव गांधी न्याय योजना में अन्य फसलों को शामिल किये जाने से दूसरी फसलों को भी प्रोत्साहन मिला है। नरवा योजना से जलस्तर बढ़ा है और इससे रबी फसल के लिए जलस्तर बढ़ गया है। ऐसे में सरसों के उत्पादन की संभावना बढ़ी है। जिला प्रशासन द्वारा इस संभावना को और मजबूत करने ठोस पहल की जा रही है। जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन ने बताया कि कलेक्टर डा. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के निर्देश पर हम ऐसे गांव चिन्हांकित कर रहे हैं जहां सरसों का रकबा अधिक है और वहां डीएमएफ आदि माध्यमों से पेराई के लिए मशीन देंगे। मूल्यवर्धन की जितनी संभावनाएं बनेंगी, किसान फसल वैविध्य को लेकर उतना ही आगे बढ़ेगा।

उपसंचालक कृषि एसएस राजपूत ने बताया कि हम लोग फसल वैविध्य की दिशा में किसानों को प्रेरित कर रहे हैं और इसके लिए बाजार की संभावनाओं के बारे में भी उन्हें बता रहे हैं।

वेल्यू प्रोसेसिंग की है मुख्यमंत्री की सोच- महाशिवरात्रि के दिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ठकुराईनटोला आये थे। वहां उन्होंने कहा कि गांव में नीम, करंज आदि पर्याप्त मात्रा में है। इसकी उचित प्रोसेसिंग की व्यवस्था हो तो ग्रामीण अपनी आय बढ़ा सकते हैं। उन्होंने सरसों के लिए भी यही बात कही।

जिला स्तरीय अंतरमहाविद्यालयीन बास्केटबाल (पुरुष) प्रतियोगिता में सेंट थॉमस महाविद्यालय ने जीता द्वितीय पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेंट थॉमस महाविद्यालय, भिलाई में दिनांक 5 फरवरी 2022 को जिला स्तरीय अंतर्महाविद्यालयीन बास्केटबाल (पुरुष) प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता में सेंट थॉमस महाविद्यालय, भिलाई, सुराना महाविद्यालय दुर्ग, एवं शासकीय विज्ञान महाविद्यालय दुर्ग ने भाग लिया। प्रथम मैच में सुराना महाविद्यालय ने सेंट थॉमस महाविद्यालय को हराया। द्वितीय मैच में पुन: सुराना महाविद्यालय ने शासकीय विज्ञान महाविद्यालय दुर्ग को परास्त किया।

अंतिम मैच में सेंट थॉमस महाविद्यालय ने शासकीय विज्ञान महाविद्यालय दुर्ग को शिकस्त दी। इस प्रकार सुराना महाविद्यालय दुर्ग ने प्रथम स्थान एवं सेंट थॉमस महाविद्यालय, भिलाई ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम. जी. रोईमोन ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया एवं उन्हें शुभकामनायें देते हुए कहा कि खेल में हार या जीत महत्वपूर्ण नहीं है। खेल में आपकी सहभागिता एवं खेल भावना ही आपके व्यक्तित्व का सर्वश्रेष्ठ भाग है। आज के इस प्रतियोगिता में शंकराचार्य महाविद्यालय भिलाई से श्री सिंह सर ने निरीक्षक की भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता के रेफरी किरणपाल सिंह, गावेश हिरवानी, विनय जनबंधु, मोहन निषाद, एवं शिवम थे। इस अवसर पर महाविद्यालय की क्रीड़ा समिति के सदस्य डॉ रिंसी अब्राहम, डॉ. सुनीता क्षत्रिय, डॉ लक्ष्मण प्रसाद, मन्जू जॉय, आकाश ताम्रकार, संतोष यादव, चंदन डेकाटे एवं खेल अधिकारी कैलाश नारायण वर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम में मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन महेंद्र इखार ने किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950